

सेन्हाइजर हेडफोन लॉन्च हुए



जर्मन ऑडियो डिग्गज सेन्हाइजर ने अपना नया हेडफोन एचडी 660एस2 देश में 54,990 रुपये में लॉन्च किया। बेहतर ट्रांसड्यूसर एयरफ्लो और रिफाइंड वॉयस कॉइल के साथ, यह एक रिफाइंड सुनने का अनुभव प्रदान करता है। सेन्हाइजर एचडी 660एस2 श्रोताओं को वह ऑफर देता है, जिसकी उन्होंने हेडफोन के पूर्ववर्ती से सबसे ज्यादा मांग की थी। इसके अलावा, एक ट्यूनिंग के साथ जो बुनिंदा चोटियों और गर्त के बीच की दूरी को कम करता है, समय अनुभव मूल एचडी 660एस की तुलना में स्मूथर और वॉर्मर होता है।

बीफ न्यूज...

एमिरेट्स एयरलाइन इंडिया में लाएगी न्यू प्रोडक्ट्स

नयी दिल्ली/पीटीआई। एमिरेट्स एयरलाइन के अध्यक्ष सर टिम क्लार्क ने कहा है कि भारत में बहुत अवसर मौजूद हैं और वह इस बाजार में नए उत्पाद लेकर आएगी। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के बाद भारत में वापसी अच्छी रही है। भारत और



खाड़ी क्षेत्र को जोड़ने में अहम भूमिका निभाने वाली एयरलाइन एमिरेट्स चाहती है कि द्विपक्षीय अधिकार बढ़े जिससे वह भारत में अधिक विमानों का परिचालन कर सके। क्लार्क ने कहा, यहां (भारत में) अपार संभावनाएं हैं और अन्य बाजारों की तरह भारतीय बाजार में भी नए उत्पाद उतारे जाएंगे।

एयरटेल बढ़ाना चाहती है पोस्टपेड कस्टमर बेस

नयी दिल्ली/एजेंसी। भारती एयरटेल अपने प्रीपेड ग्राहकों को पोस्टपेड की ओर स्थानांतरित करने के लिए प्रेरित करना चाहती है। इसी उद्देश्य से उसने 105 से लेकर



320 जीबी इंटरनेट डेटा तक के विभिन्न फैमिली पैक की पेशकश की है। कंपनी की वेबसाइट पर डाले गए नए फैमिली प्लान 599 रुपये से लेकर 1,499 रुपये मासिक तक के हैं, जिनमें डीटीएच और फिक्स्ड ब्रॉडबैंड सेवा के साथ ब्लैक फैमिली पैक 799 रुपये से लेकर 2,299 रुपये प्रति महीने तक के हैं। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि नए प्लान पेश करने का लक्ष्य प्रीपेड ग्राहकों को पोस्टपेड की ओर आकर्षित करना है, जिसमें परिवार के सदस्य एक प्लान में दी गई इंटरनेट डेटा सीमा, कॉल, एसएमएस आदि का बेहतर उपयोग कर सकेंगे। कंपनी के कुल 33.20 करोड़ मोबाइल उपभोक्ताओं में से दिसंबर, 2022 की तिमाही में 5.4 प्रतिशत पोस्टपेड उपभोक्ता थे।

इंडिया सिस्को के लिए टॉप-5 मार्केट्स में शामिल

जयपुर/पीटीआई। दूरसंचार उपकरण विनिर्माता सिस्को भारत में कारोबारी संभावनाओं, विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे डिजिटलीकरण तथा 5जी तकनीक को अपनाए जाने को लेकर उत्साहित है। कंपनी का कहना है कि भारत 2025 तक कंपनी के लिए विश्वस्तर के पांच बाजारों में शामिल होगा। देश में दूरसंचार और आईटी क्षेत्रों के लिए नए नियमों के बारे में सिस्को (इंडिया और दक्षेस) की अध्यक्ष ने कहा कि कनेक्टिविटी बेहतर होने, डिजिटल जीवन का हिस्सा बनने और एआई (कृत्रिम मेधा) जैसे नए क्षेत्रों के उभरने के लिहाज से ये जरूरी और महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वृद्धि के मामले में भारत का बाजार अगले दशक में भी मजबूत बना रहेगा। भारत एशिया प्रशांत, जापान और चीन के बाजारों में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले बाजारों में रहा है और वैश्विक स्तर पर शीर्ष पांच बाजारों में से एक बनने की राह पर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में भारत सिस्को के लिए शीर्ष दस देशों में शामिल है।

एक्सिस ईकॉर्प हॉस्पिटेलिटी सेक्टर में आई

नयी दिल्ली/पीटीआई। रियल एस्टेट कंपनी एक्सिस ईकॉर्प होटल कारोबार में प्रवेश कर गई है। इसके तहत कंपनी ने उत्तराखंड में अपनी पहली संपत्ति खरीदी है। कंपनी की योजना अगले एक साल में पर्यटन स्थलों पर 10 से अधिक होटल खोलने की है। दिल्ली-



एनसीआर की कंपनी एक्सिस ईकॉर्प रियल एस्टेट, शिक्षा के साथ-साथ प्रौद्योगिकी कारोबार में सक्रिय है। वह महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में एक बड़ी आवासीय परियोजना विकसित कर रही है। अब कंपनी होटल व्यवसाय में उतरी है। उसका पहली रिजॉर्ट संपत्ति जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क के निकट स्थित है जिसका परिचालन अगले महीने से शुरू हो जाएगा। यह रिजॉर्ट डीफैलो ज नाम से है। कंपनी उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, केरल और गोवा तक विस्तार करना चाहती है। उसका इरादा 50 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त करने का है। कंपनी के निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि भारत के आतिथ्य क्षेत्र ने 2022 में शानदार वापसी की है। वृद्धि का मुख्य कारक घरेलू पर्यटन है।

इंडिया में एआई सेगमेंट में 45,000 जॉब अपॉर्च्युनिटीज

नई दिल्ली/एजेंसी

देश में एआई का दखल बढ़ रहा है। भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए 45,000 नौकरियां निकली गई हैं, जिनमें डेटा वैज्ञानिक और मशीन लर्निंग (एमएल) इंजीनियर सबसे अधिक मांग वाले कैरियर में से हैं। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। टेक स्टाफिंग फर्म टीमलीज डिजिटल की रिपोर्ट कुछ चुनिंदा उद्योगों में एआई की क्षमता के गहन विश्लेषण पर आधारित है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन उद्योगों में प्रमुख नौकरी की भूमिकाओं और एआई के उपयोग की जांच की गई, जिसमें पाया गया कि एआई में विशेषज्ञता वाले एआई कैरियर उम्मीदवारों और पेशेवरों की मांग बढ़ी है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि स्केलेबल एमएल अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित करने से स्क्रिप्टिंग भाषाओं में कुशल एआई पेशेवरों की मांग में वृद्धि हुई है और पारंपरिक एमएल मॉडल का निर्माण एआई में कैरियर के लिए आवश्यक सबसे महत्वपूर्ण कौशल होगा। प्रमुख उद्योगों में एआई परिदृश्य में हेल्थकेयर (क्लिनिकल डेटा एनालिस्ट, मेडिकल इमेजिंग स्पेशलिस्ट, हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स एनालिस्ट, अन्य लोगों के बीच), एजुकेशन (एडटेक प्रोडक्ट मैनेजर, एआई लर्निंग आर्किटेक्ट, एआई करिकुलम डेवलपर, चैटबॉट डेवलपर आदि), बीएफएसआई (धोखाधड़ी विश्लेषक, क्रेडिट जोखिम विश्लेषक, अनुपालन विशेषज्ञ), विनिर्माण (औद्योगिक डेटा वैज्ञानिक, क्यूसी विश्लेषक, प्रक्रिया स्वचालन विशेषज्ञ, रोबोटिक्स इंजीनियर, अन्य के बीच)

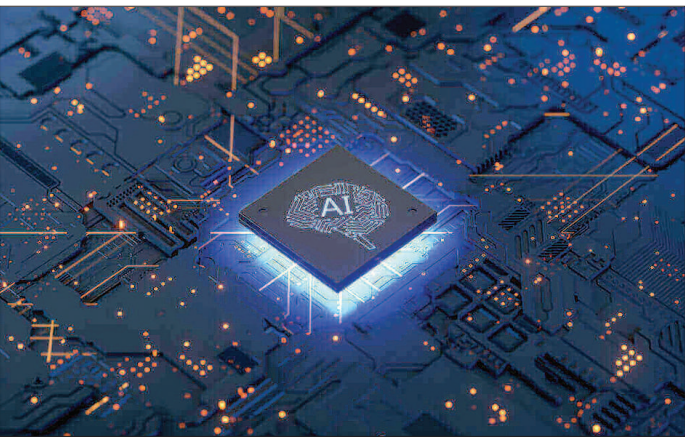


2023 में सैलरी में हो सकती है एवरेज 10% से ज्यादा ग्रोथ

मुंबई/एजेंसी। देश में निजी क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों के वेतन में 2023 में औसतन 10.2 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। सर्वाधिक वृद्धि ई-कॉमर्स, पेशेवर सेवाओं और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में देखने को मिल सकती है। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। पेशेवर सेवाएं देने वाली ईवाई की रिपोर्ट 'फ्यूचर ऑफ पे' 2023 में कहा गया है कि देश में 2023 में वेतन में औसतन 10.2 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। यह 2022 में औसतन 10.4 प्रतिशत की तुलना में कम है। लेकिन इसके बावजूद दहाई अंक में है। इसमें कहा गया है कि इस साल वेतन में अनुमानित वृद्धि सभी क्षेत्रों में देखने को मिलेगी, जो 2022 की तुलना में मामूली कम होगी। हालांकि, कल-कारखानों में काम करने वाले कामगारों के मामले में इस साल वेतन में 2022 की तुलना में कम वृद्धि की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ज्यादा जिन क्षेत्रों में वेतन में वृद्धि की उम्मीद है, वे सभी प्रौद्योगिकी से जुड़े हैं। इसमें कहा गया है कि ई-कॉमर्स क्षेत्र में सबसे ज्यादा 12.5 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। उसके बाद पेशेवर सेवाओं में 11.9 प्रतिशत तथा आईटी क्षेत्र में 10.8 प्रतिशत वृद्धि की संभावना है। ईवाई की रिपोर्ट सर्वे पर आधारित है। यह सर्वे दिसंबर, 2022 से फरवरी, 2023 के बीच किया गया। इसमें देश में मझोले से लेकर बड़े संगठनों के 150 मुख्य मानव संसाधन अधिकारी शामिल हुए।

भारत टेलीकॉम टेक्नोलॉजी का बड़ा एक्सपोर्ट बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा

नयी दिल्ली/पीटीआई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत आज दूरसंचार प्रौद्योगिकी का बड़ा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है जबकि गत कुछ वर्ष पहले तक वह महज इसका एक उपयोगकर्ता हुआ करता था। अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) के नए 'क्षेत्रीय कार्यालय और नवाचार केंद्र' का शुभारम्भ करने के बाद कहा कि भारत उन देशों में से एक है जिसने सबसे तेज गति से 5-जी मोबाइल प्रौद्योगिकी शुरू की है। 5-जी शुरू होने के 120 दिनों के भीतर सेवाओं का विस्तार 125 शहरों में किया गया है। 5-जी प्रौद्योगिकी शुरू होने के छह महीने के भीतर हम 6-जी के बारे में बात कर रहे हैं। यह देश के विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि 4-जी से पहले भारत केवल दूरसंचार प्रौद्योगिकी का उपयोगकर्ता था, लेकिन अब भारत दूरसंचार प्रौद्योगिकी का बड़ा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह भी घोषणा की कि आने वाले दिनों में, भारत 100 नई 5-जी प्रयोगशालाओं की स्थापना करेगा। ये प्रयोगशालाएं भारत की अनुवी ज़रूरतों के अनुसार 5-जी एप्लीकेशन विकसित करने में मदद करेंगी। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत का दूरसंचार और डिजिटल मॉडल सुचारू, सुरक्षित, पारदर्शी और भरोसेमंद है, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दशक "टेकेड" का है। भारत की दूरसंचार सफलता की कहानी की चर्चा करते हुए कहा कि इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 2014 में 25 करोड़ से बढ़कर 85 करोड़ हो गई है, जिसमें अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में हैं।



और खुदरा (खुदरा डेटा विश्लेषक, आईटी प्रक्रिया मॉडलर, डिजिटल) इमेजिंग लीडर और अन्य) सहित कई तरह की प्रमुख भूमिकाएं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, डेटा और एमएल इंजीनियर सालाना 14 लाख रुपये तक कमा सकते हैं, जबकि डेटा आर्किटेक्ट 12 लाख रुपये तक कमा सकते हैं। इसके अलावा, समान क्षेत्रों में आठ साल के अनुभव वाले उम्मीदवार प्रतिवर्ष 25 से 45 लाख रुपये तक का उच्च वेतन भी अर्जित कर सकते हैं। टीमलीज डिजिटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने एक बयान में कहा कि एआई क्रांति नौकरी के बाजार को बदल रही है, कुशल पेशेवरों की तत्काल आवश्यकता पैदा कर रही है जो अत्याधुनिक एआई प्रौद्योगिकियों को

डिजाइन, विकसित और कार्यान्वित कर सकते हैं। टीमलीज डिजिटल में मुख्य व्यवसाय अधिकारी ने कहा कि आज के तेजी से विकसित हो रहे नौकरी बाजार में एआई कौशल के साथ अपस्किलिंग कैरियर के विकास और रोजगार के लिए तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है। ऑटोमेशन और एआई के

उद्योगों को बोर्ड भर में बदलने के साथ, एआई और इसके अनुप्रयोगों की बुनियादी समझ लोगों को नौकरी में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दे सकती है। अपस्किलिंग शुरू करने में कभी देर नहीं होती है और एआई कौशल में निवेश व्यक्तियों और उनके करियर के लिए दीर्घकालिक लाभ प्रदान कर सकता है।

टीमलीज डिजिटल द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, 37 प्रतिशत संगठन अपने कर्मचारियों को एआई-तैयार कार्यबल बनाने के लिए प्रासंगिक उपकरण प्रदान करना पसंद करते हैं और 30 प्रतिशत संगठनों ने कहा कि एआई सीखने की पहल कार्यबल में छिपी प्रतिभा को अनलॉक करने के लिए अनिवार्य है। लगभग 56 प्रतिशत संगठनों ने यह भी व्यक्त किया कि एआई मांग-आपूर्ति प्रतिभा अंतर को भरने के लिए आवश्यक पहल की जा रही है।

2022 में रैनसमवेयर के जरिए सबसे ज्यादा निशाने पर रहने वाला दूसरा देश रहा इंडिया

नई दिल्ली/आईएनएस। भारत 2022 में एशिया-प्रशांत और जापान क्षेत्र में रैनसमवेयर द्वारा सबसे ज्यादा निशाना बनाया जाने वाला दूसरा देश है, जो 2021 में तीसरे स्थान पर था। नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। पालो ऑल्टो नेटवर्क्स 2023 यूनिट 42 रैनसमवेयर और एक्सटॉर्शन रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में महाराष्ट्र 36 प्रतिशत रैनसमवेयर हमलों के साथ सबसे अधिक निशाना बनाए जाने वाला राज्य रहा, जबकि दिल्ली दूसरे स्थान पर था। पालो ऑल्टो नेटवर्क्स के वॉरर उपाध्यक्ष और यूनिट 42 के प्रमुख ने कहा कि विनिर्माण, निर्माण और पेशेवर और कानूनी सेवाएं सबसे अधिक लक्षित उद्योग थे। सबसे सक्रिय रैनसमवेयर समूहों में लॉकबिट 2.0, बियानलियन और स्टॉर्मस शामिल हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट में पाया गया कि जबर्न वसूली की रणनीति में डेटा चोरी सबसे आम थी। 2022 के अंत तक 70 प्रतिशत समूह इसका उपयोग कर रहे थे। गत वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत की वृद्धि रही। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फोर्ब्स ग्लोबल 2000 की सूची में 30 संगठन 2022 में जबर्न वसूली के प्रयासों से सार्वजनिक रूप से प्रभावित हुए थे। 2019 के बाद से इनमें से कम से कम 96 संगठनों के पास जबर्न वसूली के प्रयास के हिस्से के रूप में कुछ हद तक गोपनीय फाइलें सार्वजनिक रूप से उजागर हुई हैं।

This is a public announcement for information purposes only and is not a prospectus announcement and does not constitute an invitation or offer to acquire, purchase or subscribe to securities. Not for release, publication or distribution directly or indirectly, outside India.

PUBLIC ANNOUNCEMENT



(Please scan the QR Code to view the DRHP)



MOTISONS JEWELLERS LIMITED

Our Company was originally formed as "M/s Motisons Jewellers", a partnership firm pursuant to partnership deed dated October 16, 1997 and was registered under the Indian Partnership Act, 1932 under the Registrar of Firms, Jaipur. "M/s Motisons Jewellers" was converted into a public limited company under the Companies Act, 1956 with the name "Motisons Jewellers Limited" pursuant to a certificate of incorporation dated May 09, 2011 issued by the Registrar of Companies, Rajasthan at Jaipur ("RoC") bearing Corporate Identification Number U36911RJ2011PLC035122. For details of Incorporation, change of name and registered office of our company, please refer to chapter titled "**History and Certain Other Corporate Matters**" beginning on page 193 of the Draft Red Herring Prospectus ("DRHP") dated March 22, 2023 filed with Securities and Exchange Board of India ("SEBI").

Registered Office: 270, 271, 272 & 276 Johri Bazar, Jaipur 302003, Rajasthan, India.
Corporate Office: SB-110, Motisons Tower, Lalkothi, Tonk Road, Jaipur – 302015, Rajasthan, India. **Tel. No.:** +91 – 141 – 4150000, **E-mail:** nehajaincs@motisons.com, **Website:** www.motisonsjewellers.com, **Contact Person:** Ms. Neha Jain, Company Secretary and Compliance Officer

PROMOTERS OF OUR COMPANY: MR. SANDEEP CHHABRA, MR. SANJAY CHHABRA, MS. NAMITA CHHABRA, MS. KAJAL CHHABRA, MOTI LAL SANDEEP CHHABRA HUF, SANDEEP CHHABRA HUF AND SANJAY CHHABRA HUF

INITIAL PUBLIC ISSUE OF UP TO 3,34,71,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH ("EQUITY SHARES") OF OUR COMPANY FOR CASH AT A PRICE OF ₹ [•] PER EQUITY SHARE (INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ [•] PER EQUITY SHARE), AGGREGATING UPTO ₹ [•] LAKHS ("THE ISSUE"). THE ISSUE WILL CONSTITUTE [•] % OF THE POST ISSUE PAID UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

OUR COMPANY, IN CONSULTATION WITH THE BRLM, MAY CONSIDER A PRE-IPO PLACEMENT OF UP TO 60,00,000 EQUITY SHARES FOR CASH CONSIDERATION AGGREGATING UP TO ₹ [•] LAKHS, AT ITS DISCRETION, PRIOR TO FILING OF THE RED HERRING PROSPECTUS WITH THE RO ("PRE-IPD PLACEMENT"). IF THE PRE-IPD PLACEMENT IS COMPLETED, THE ISSUE SIZE WILL BE REDUCED TO THE EXTENT OF SUCH PRE-IPD PLACEMENT, SUBJECT TO THE ISSUE COMPLYING WITH RULE 19(2)(b) OF THE SECURITIES CONTRACTS (REGULATION) RULES, 1957, AS AMENDED ("SCRR").

THE PRICE BAND AND THE MINIMUM BID LOT WILL BE DECIDED BY OUR COMPANY IN CONSULTATION WITH THE BRLM AND WILL BE ADVERTISED IN ALL EDITIONS OF [•], THE ENGLISH NATIONAL NEWSPAPER, ALL EDITIONS OF [•], THE HINDI NATIONAL NEWSPAPER AND [•] EDITIONS OF [•], THE REGIONAL NEWSPAPER, (HINDI BEING THE LOCAL LANGUAGE OF RAJASTHAN, WHERE OUR REGISTERED AND CORPORATE OFFICE IS SITUATED), EACH WITH WIDE CIRCULATION, AT LEAST 2 (TWO) WORKING DAYS PRIOR TO THE BID/ISSUE OPENING DATE AND SHALL BE MADE AVAILABLE TO BSE LIMITED ("BSE") AND NATIONAL STOCK EXCHANGE OF INDIA LIMITED ("NSE") TOGETHER WITH "BSE", THE "STOCK EXCHANGES") FOR THE PURPOSE OF UPLOADING ON THEIR RESPECTIVE WEBSITES IN ACCORDANCE WITH SEBI ICDR REGULATIONS.

In case of any revision in the Price Band, the Bid / Issue Period will be extended by at least three additional Working Days after such revision in the Price Band, subject to the Bid / Issue Period not exceeding 10 working days. In cases of force majeure, banking strike or similar circumstances, our Company in consultation with the BRLM, for reasons to be recorded in writing, extend the Bid / Issue Period for a minimum of three Working Days, subject to the Bid / Issue Period not exceeding 10 working days. Any revision in the Price Band and the revised Bid / Issue Period, if applicable, shall be widely disseminated by notification to the Stock Exchanges, by issuing a public notice, and also by indicating the change on the respective websites of the BRLM and at the terminals of the Syndicate Members and by intimation to the Designated Intermediaries and the Sponsor Bank.

THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES IS ₹ 10/- EACH AND THE ISSUE PRICE OF [•] EACH IS [•] TIMES OF THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES

The Issue is being made through the Book Building Process, in terms of Rule 19(2)(b)(i) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended ("SCRR") read with Regulation 31 of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018, as amended (SEBI ICDR Regulations) and in compliance with Regulation 6(1) of the SEBI ICDR Regulations wherein not more than 50% of the Net Issue shall be available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs and such portion, the "QIB Portion"), provided that our Company in consultation with the BRLM, may allocate up to 60% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis ("Anchor Investor Portion"), out of which one-third shall be reserved for domestic Mutual Funds only, subject to valid Bids being received from domestic Mutual Funds at or above the price at which allocation is made to Anchor Investors ("Anchor Investor Allocation Price"), in accordance with the SEBI ICDR Regulations. In the event of under-subscription, or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares shall be added to the QIB Portion (excluding the Anchor Investor Portion) ("Net QIB Portion"). Further, 5% of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to Mutual Funds only, and the remainder of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIB Bidders, including Mutual Funds, subject to valid Bids being received from them at or above the Issue Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5% of the Net QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in the Mutual Fund Portion will be added to the remaining Net QIB Portion for proportionate allocation to QIBs. Further, not less than 15% of the Net Issue shall be available for allocation to Non-Institutional Bidders and not less than 35% of the Net Issue shall be available for allocation to Retail Individual Bidders in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received from them at or above the Issue Price. The Equity Shares available for allocation to Non-Institutional Bidders under the Non-Institutional Portion, shall be subject to the following: (i) one-third of the portion available to Non-Institutional Bidders shall be reserved for applicants with an application size of more than ₹ 2.00 Lakhs and up to ₹ 10.00 Lakhs, and (ii) two-third of the portion available to Non-Institutional Bidders shall be reserved for applicants with an application size of more than ₹ 10.00 Lakhs, provided that the unsubscribed portion in either of the aforementioned sub-categories may be allocated to applicants in the other sub-category of Non-Institutional Bidders. All potential Bidders (except Anchor Investors) are mandatorily required to utilise the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process by providing details of their respective ASBA accounts and UPI ID in case of UPI Bidders using the UPI Mechanism, as applicable, pursuant to which their corresponding Bid Amount will be blocked by the Self Certified Syndicate Banks ("SCSBs") or by the Sponsor Banks under the UPI Mechanism, as the case may be, to the extent of the respective Bid Amounts. Anchor Investors are not permitted to participate in the Issue through the ASBA Process. For details, see "**Issue Procedure**" on page 366 of the DRHP.

This public announcement is being made in compliance with the provisions of Regulation 26(2) of the SEBI ICDR Regulations to inform the public that our Company is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake initial public offering of its Equity Shares pursuant to the Issue and the DRHP dated March 22, 2023 has been filed with the SEBI.

Pursuant to Regulation 26(1) of the SEBI ICDR Regulations, the DRHP filed with SEBI shall be made available to the public for comments, if any, for a period of at least 21 days, from the date of such filing by hosting it on the websites of SEBI at www.sebi.gov.in, Stock Exchanges i.e., BSE at www.bseindia.com, NSE at www.nseindia.com and the website of BRLM, i.e. Holani Consultants Private Limited at www.holaniconsultants.co.in. Our Company hereby invites the members of the public to give their comments on the DRHP filed with SEBI with respect to disclosures made in the DRHP. The public is requested to send a copy of the comments to SEBI, to the Company Secretary and Compliance Officer of our Company, the BRLM and Registrar to the Issue at their respective addresses mentioned below. All comments must be received by SEBI, and/or our Company and/or the BRLM and/or Registrar to the Issue and/or the Company Secretary and Compliance Officer of our Company in relation to the Issue on or before 5 p.m. on the 21st day from the aforesaid date of filing the DRHP with SEBI.

Investments in equity and equity-related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in the Issue unless they can afford to take the risk of losing their entire investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Issue, including the risks involved. The Equity Shares in the Issue have not been recommended or approved by the SEBI, nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the contents of the DRHP. **Risk factors are invited to "Risk Factors" on page 35 of the DRHP.**

Any decision to invest in the Equity Shares described in the DRHP may only be made after the Red Herring Prospectus ("RHP") has been filed with the RoC and must be made solely on the basis of such RHP as there may be material changes in the RHP from the DRHP. The Equity Shares, when offered, through the RHP, are proposed to be listed on Stock Exchanges.

For details of the main objects of our Company as contained in its Memorandum of Association, see "**History and Certain Corporate Matters**" on page 193 of the DRHP. The liability of the members of our Company is limited. For details of the share capital and capital structure of our Company and the names of the signatories to the Memorandum of Association and the number of shares subscribed by them of our Company, please see "**Capital Structure**" on page 89 of the DRHP.

BOOK RUNNING LEAD MANAGER TO THE ISSUE	REGISTRAR TO THE ISSUE
 <p>HOLANI CONSULTANTS PRIVATE LIMITED 401 – 405 & 416 – 418, 4th Floor, Soni Paris Point, Jai Singh Highway, Bani Park, Jaipur – 302016 Tel.: +91 0141 – 2203996; Fax: +91 0141 – 2201259 Website: www.holaniconsultants.co.in Email: ipo@holaniconsultants.co.in Investor Grievance ID: complaints_redressal@holaniconsultants.co.in Contact Person: Mrs. Payal Jain SEBI Registration No.: INM000012467</p>	<p>LINK Intime</p> <p>LINK INTIME INDIA PRIVATE LIMITED C - 101, 247 Park, 1st Floor, L.B.S. Marg, Vikhroli (West), Mumbai 400083, Maharashtra, India Tel.: +91 22 49186200; Fax: +91 22 49186195 Website: www.linkintime.co.in Email: motisons.ipo@linkintime.co.in Investor Grievance ID: motisons.ipo@linkintime.co.in Contact Person: Shantli GopalKrishnan SEBI Registration Number: INR000004058</p>

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the DRHP.

For MOTISONS JEWELLERS LIMITED
On behalf of the Board of Directors
Sd/-
Ms. Neha Jain
Company Secretary and Compliance Officer

Place : Jaipur
Date : March 23, 2023

MOTISONS JEWELLERS LIMITED is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake an initial public offering of its Equity Shares and the DRHP dated March 22, 2023 has been filed with SEBI. The DRHP shall be available on the websites of SEBI at www.sebi.gov.in, stock exchanges i.e., BSE at www.bseindia.com and NSE at www.nseindia.com and is available on the websites of the BRLM, i.e. Holani Consultants Private Limited at www.holaniconsultants.co.in. Potential investors should note that investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to such risk, see the section titled "**Risk Factors**" beginning on page 35 of the DRHP. Potential investors should not rely on the DRHP filed with SEBI for making any investment decision. This announcement has been prepared for publication in India and may not be released in the United States. This announcement does not constitute an invitation or offer of securities for sale in any jurisdiction, including the United States. The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act or any other applicable law of the United States and, unless so registered, may not be offered or sold within the United States, except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities Act and applicable state securities laws. Accordingly, the Equity Shares are only being offered and sold outside the United States in offshore transactions in compliance with Regulation S under the U.S. Securities Act and the applicable laws of the jurisdiction where those offers and sales occur.

संपादकीय

थोक मूल्य सूचकांक में महत्वपूर्ण गिरावट, आपूर्ति तंत्र में सुधार के साथ ब्याज दर वृद्धि पर विराम आवश्यक

देश की अर्थव्यवस्था के लिए यह अच्छा संकेत है कि थोक मूल्य सूचकांक फरवरी 2023 के दौरान घटकर 3.85 प्रतिशत ही रह गया है, जबकि यही सूचकांक जनवरी 2023 के दौरान 4.73 प्रतिशत के स्तर पर रहा था। हालांकि भारत का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक फरवरी 2023 के दौरान बढ़कर 6.52 प्रतिशत हो गया था। रिजर्व बैंक ने देश में मुद्रा प्रसार दर को घटाकर 6 प्रतिशत से नीचे लाने का लक्ष्य तय किया है और इसी संदर्भ में ब्याज की दरों का निर्धारण होता रहा है। ब्याज दरें ऊंची मुद्रा प्रसार दर के चलते लगातार बढ़ती रही है, लेकिन ब्याज दर वृद्धि के परिणाम जिस तरह अमेरिकी बैंकों के संदर्भ में विशेष रूप से सिलिकॉन वैली व सिग्नेचर बैंक के संदर्भ में घातक सिद्ध हुए हैं, ऐसी संभावना भारत में नहीं है, क्योंकि भारत में बैंकिंग उद्योग आज एक दशक के सर्वाधिक मजबूत स्तर पर बना हुआ है।

फरवरी 2023 के दौरान खाद्य पदार्थों की उपभोक्ता सूचकांक दर घटकर 5.95 प्रतिशत के स्तर पर आ गई है, जो जनवरी की 6 प्रतिशत के मुकाबले कम है।

देश में अधिक मुद्रा प्रसार दर के चलते ही रिजर्व बैंक ने मई 2022 के पश्चात अब तक ब्याज दरों में रेपो दर में 2.50 प्रतिशत वृद्धि की है और इसका असर उपभोग, उत्पादन, निर्यात व निवेश पर देखने को मिल रहा है, लेकिन अब सरकार व रिजर्व बैंक मिलकर खाद्य पदार्थ मुद्रा प्रसार दर को नीचे लाने का कार्य कर रहे हैं। इससे बाजार में खाद्य पदार्थों की आवक बढ़ी है और मांग व आपूर्ति के स्तर पर शीघ्र ही संतुलन स्थापित होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। विदेशों से खाद्य तेल का आयात बढ़ाया गया है। घरेलू बाजार में गेहूं, चावल व चीनी की उपलब्धता को बढ़ाने व दलहन के आयात का भी निर्णय लिया गया है। मौद्रिक समीक्षा समिति के सदस्यों ने भी संभावना व्यक्त की है कि मुद्रा प्रसार दर शीघ्र ही नियंत्रित हो जाएगी। कोविड संकट के दौरान व कोविड के पश्चात भारत सरकार व रिजर्व बैंक ने बहुत ही लचीलेपन का उदाहरण नीति निर्धारण के सदर्भ में प्रस्तुत किया है और हर

हाल में टीकाकरण व खाद्यान्न आपूर्ति के संदर्भ में भारत अपनी चुनौतियों का मुकाबला करने में सफल रहा है। इस दौरान हालांकि बेरोजगारी, औद्योगिक उत्पादन व ग्रामीण क्षेत्र की ओर पलायन बढ़ गया था, लेकिन सरकार की सूझबूझ के चलते समस्या पर काबू पाया गया है। थोक मूल्य सूचकांक में गिरावट अच्छा संकेत है। विश्व स्तर पर तेल, मेटल, कमोडिटी मूल्य स्तर में गिरावट का असर थोक मूल्य सूचकांक पर देखने को मिला है। थोक मूल्य सूचकांक में सर्वाधिक सकारात्मक संकेत औद्योगिक विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादों के संदर्भ में देखने को मिला है। औद्योगिक विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी इस सूचकांक में 64.2 प्रतिशत के स्तर पर रही है तथा फरवरी के दौरान थोक मूल्य सूचकांक विनिर्माण क्षेत्र में घटकर 1.9 प्रतिशत ही रह गया है, जो जनवरी के दौरान 3 प्रतिशत के स्तर पर था, लेकिन खाद्य पदार्थों के मूल्य में फरवरी के थोक मूल्य सूचकांक में वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में कुछ गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन थोक मूल्य सूचकांक खाद्य पदार्थों के संदर्भ में 2. 4 प्रतिशत से बढ़कर 3.8 प्रतिशत हो गया है। इसी माह के दौरान ईंधन व विद्युत का थोक मूल्य सूचकांक हालांकि 15.2 प्रतिशत के मुकाबले घटकर 14.8 प्रतिशत के स्तर पर रहा है, लेकिन विश्व स्तर पर जैसे मूल्य स्तर में गिरावट दर्ज की गई है, वैसे भारत सरकार को भी कुछ ठोस निर्णय इस दिशा में लेना चाहिए तथा डीजल-पेट्रोल के संदर्भ में कर शुल्क की दरों में 6-8 रुपए प्रति लिटर तक कमी करनी चाहिए। खाद्यान्न व दूध के सूचकांक में भी दो अंकों की वृद्धि थोक मूल्य सूचकांक के स्तर पर दर्ज की गई है। सरकार ने हालांकि खाद्यान्न आपूर्ति को स्टॉक से जारी करके बढ़ाने का कार्य गेहूं, चावल के संदर्भ में किया है, लेकिन यह निर्णय समय रहते लेना ही चाहिए था। इन दोनों मदों का सूचकांक जिसमें दूध का सूचकांक 896 प्रतिशत से बढ़कर 10.33 प्रतिशत हो गया है, लेकिन यह सामयिक है। आने वाली बारिश के मौसम में वृद्धि है। आने वाली बारिश के मौसम में सरकार भी आपूर्ति बढ़ाने का कार्य करेगी और खाद्यान्न व दूध के साथ अन्य सूचकांक भी नियंत्रित होंगे। यह वृद्धि प्रबंधन को लेकर

ही कही जा सकती है, जबकि सब्जियों के संदर्भ में तो हालात बहुत अधिक सामान्य होकर डिफ्लेशन के बन गए हैं तथा सरकार की सक्रियता के चलते मार्च 2023 के दौरान सूचकांक में और तेजी से गिरावट की संभावना व्यक्त की जा रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमोडिटी मूल्य स्तर में गिरावट को देखते हुए थोक मूल्य सूचकांक मार्च के दौरान और कमजोर रह सकता है तथा सरकार को इसी दिशा में प्रयत्न करते हुए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक को विशेष रूप से खाद्य पदार्थ सूचकांक को आपूर्ति सुनिश्चित करके नियंत्रित करने का प्रयास करना चाहिए। इसके साथ ही मौद्रिक समीक्षा समिति को आगामी बैठक के दौरान निश्चित रूप से ब्याज दर वृद्धि के निर्णय को टालना ही चाहिए, क्योंकि आज मुद्रा प्रसार की समस्या मूल्य वृद्धि की अगर है तो वह बहुत सीमित क्षेत्र में विशेष रूप से खाद्य पदार्थों व ईंधन, पावर पर ही केन्द्रित है और सरकार को आपूर्ति तंत्र में सुधार, मांग व आपूर्ति में संतुलन तथा आवश्यकतानुसार आयात को बढ़ाकर तथा जरूरत के अनुसार शुल्क स्तर में सुधार के साथ मुद्रा प्रसार दर को नियंत्रित करने का प्रयास करना चाहिए। ऐसा ही सुझाव स्टेट बैंक की अनुसंधान रिपोर्ट में भी दिया गया है। खाद्यान्न सूचकांक की तो सांख्यिकी त्रुटि भी इस अनुसंधान रिपोर्ट में बताई गई है। अगर ऐसा है तो इस पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर आलू-प्याज की दशा तो मूल्य के स्तर पर बहुत ही कमजोर हो गई है। किसानों को 5 रुपए प्रति किलो की दर पर प्याज बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। सरकार के तंत्र में गतिशीलता के साथ आपूर्ति तंत्र को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया जाना चाहिए और सभी स्तर पर केन्द्र व राज्यों के बीच संतुलन स्थापित करके मुद्रा प्रसार दर को नियंत्रित किए जाने का प्रयास किया जाना चाहिए। दलहन, तिलहन व सब्जियों का थोक मूल्य सूचकांक घटा है, जबकि बिजली-ईंधन का तेजी से बढ़ा है, जिसको रोके जाने की आवश्यकता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरावट को देखते हुए सरकार को भी सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।

परिक्राम्य अधिनियम : शिकायतकर्ता के सुनवाई के दौरान कारणवश अनुपस्थित रहने पर प्रतिवादी को दोषमुक्त करार देना अनुचित

गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अशोक कुमार जोशी के समक्ष एक याचिका परिक्राम्य अधिनियम 1881 की धारा 138 तथा क्रिमिनल प्रोसीजर कोड 1973 की धारा 378 के अंतर्गत श्रीजी एंटरप्राइजेज के अमित भाई नीरू भाई शाह बनाम गुजरात सरकार संबंधित प्रकरण में विचारार्थ प्रस्तुत की गई। इस प्रकरण का संक्षिप्त विवरण यह है कि अपीलेंट मोडासा का निवासी है और श्रीजी एंटरप्राइजेज के नाम से व्यापार करता है, जबकि प्रतिवादी संख्या दो भी मोडासा का ही नागरिक है और लक्ष्मी गेस्ट हाउस के नाम से व्यवसाय करता है। वह अपीलेंट का परिचित है और उसके साथ अच्छी मित्रता भी है। वर्ष 2016 के दौरान प्रतिवादी संख्या 2 अपीलेंट की दुकान पर आया और अपने व्यवसाय के विकास के लिए 10 लाख रुपए की मांग की। अपीलेंट ने उसको 10 लाख रुपए 6 माह की उधार के आधार पर उपलब्ध करा दिए थे, लेकिन जब अपीलेंट ने अपनी राशि की मांग की तो प्रतिवादी संख्या दो ने 10 लाख रुपए का एक चेक उसे दे दिया। यह चेक यूनियन बैंक का था, लेकिन भुगतान के लिए जब चेक बैंक में प्रस्तुत किया गया तो चेक अनादरित होकर लौट आया। उस पर यह रिमांक लगा हुआ था कि ओपनिंग बेलेंस इन्सफिशिएंट। यह 16.01.17 को लौट कर आया था। इसके पश्चात अपीलेंट ने एक कानूनी नोटिस अपने वकील के माध्यम से प्रतिवादी के व्यवसाय स्थल व घर पर प्रेषित किया, लेकिन उसने नोटिस लेने से इंकार कर दिया। इसके पश्चात सांख्यिकी त्रुटि भी इस अनुसंधान रिपोर्ट में बताई गई है। अगर ऐसा है तो इस पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर आलू-प्याज की दशा तो मूल्य के स्तर पर बहुत ही कमजोर हो गई है। किसानों को 5 रुपए प्रति किलो की दर पर प्याज बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। सरकार के तंत्र में गतिशीलता के साथ आपूर्ति तंत्र को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया जाना चाहिए और सभी स्तर पर केन्द्र व राज्यों के बीच संतुलन स्थापित करके मुद्रा प्रसार दर को नियंत्रित किए जाने का प्रयास किया जाना चाहिए। दलहन, तिलहन व सब्जियों का थोक मूल्य सूचकांक घटा है, जबकि बिजली-ईंधन का तेजी से बढ़ा है, जिसको रोके जाने की आवश्यकता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरावट को देखते हुए सरकार को भी सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।

राष्ट्रीय स्तर पर आलू-प्याज की दशा तो मूल्य के स्तर पर बहुत ही कमजोर हो गई है। किसानों को 5 रुपए प्रति किलो की दर पर प्याज बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। सरकार के तंत्र में गतिशीलता के साथ आपूर्ति तंत्र को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया जाना चाहिए और सभी स्तर पर केन्द्र व राज्यों के बीच संतुलन स्थापित करके मुद्रा प्रसार दर को नियंत्रित किए जाने का प्रयास किया जाना चाहिए। दलहन, तिलहन व सब्जियों का थोक मूल्य सूचकांक घटा है, जबकि बिजली-ईंधन का तेजी से बढ़ा है, जिसको रोके जाने की आवश्यकता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरावट को देखते हुए सरकार को भी सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।

राष्ट्रीय स्तर पर आलू-प्याज की दशा तो मूल्य के स्तर पर बहुत ही कमजोर हो गई है। किसानों को 5 रुपए प्रति किलो की दर पर प्याज बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। सरकार के तंत्र में गतिशीलता के साथ आपूर्ति तंत्र को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया जाना चाहिए और सभी स्तर पर केन्द्र व राज्यों के बीच संतुलन स्थापित करके मुद्रा प्रसार दर को नियंत्रित किए जाने का प्रयास किया जाना चाहिए। दलहन, तिलहन व सब्जियों का थोक मूल्य सूचकांक घटा है, जबकि बिजली-ईंधन का तेजी से बढ़ा है, जिसको रोके जाने की आवश्यकता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरावट को देखते हुए सरकार को भी सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।

राष्ट्रीय स्तर पर आलू-प्याज की दशा तो मूल्य के स्तर पर बहुत ही कमजोर हो गई है। किसानों को 5 रुपए प्रति किलो की दर पर प्याज बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। सरकार के तंत्र में गतिशीलता के साथ आपूर्ति तंत्र को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया जाना चाहिए और सभी स्तर पर केन्द्र व राज्यों के बीच संतुलन स्थापित करके मुद्रा प्रसार दर को नियंत्रित किए जाने का प्रयास किया जाना चाहिए। दलहन, तिलहन व सब्जियों का थोक मूल्य सूचकांक घटा है, जबकि बिजली-ईंधन का तेजी से बढ़ा है, जिसको रोके जाने की आवश्यकता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरावट को देखते हुए सरकार को भी सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।

राष्ट्रीय स्तर पर आलू-प्याज की दशा तो मूल्य के स्तर पर बहुत ही कमजोर हो गई है। किसानों को 5 रुपए प्रति किलो की दर पर प्याज बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। सरकार के तंत्र में गतिशीलता के साथ आपूर्ति तंत्र को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया जाना चाहिए और सभी स्तर पर केन्द्र व राज्यों के बीच संतुलन स्थापित करके मुद्रा प्रसार दर को नियंत्रित किए जाने का प्रयास किया जाना चाहिए। दलहन, तिलहन व सब्जियों का थोक मूल्य सूचकांक घटा है, जबकि बिजली-ईंधन का तेजी से बढ़ा है, जिसको रोके जाने की आवश्यकता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरावट को देखते हुए सरकार को भी सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।

राष्ट्रीय स्तर पर आलू-प्याज की दशा तो मूल्य के स्तर पर बहुत ही कमजोर हो गई है। किसानों को 5 रुपए प्रति किलो की दर पर प्याज बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। सरकार के तंत्र में गतिशीलता के साथ आपूर्ति तंत्र को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया जाना चाहिए और सभी स्तर पर केन्द्र व राज्यों के बीच संतुलन स्थापित करके मुद्रा प्रसार दर को नियंत्रित किए जाने का प्रयास किया जाना चाहिए। दलहन, तिलहन व सब्जियों का थोक मूल्य सूचकांक घटा है, जबकि बिजली-ईंधन का तेजी से बढ़ा है, जिसको रोके जाने की आवश्यकता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरावट को देखते हुए सरकार को भी सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।

जारी किया गया। उसके पश्चात कोविड 19 का संकट उत्पन्न हो गया, संपूर्ण स्तर पर सभी कार्य व्यापार बंद हो गए और प्रतिवादी संख्या दो उपस्थित भी नहीं हुआ। ऐसे हालात में यह जानकारी भी प्राप्त नहीं हुई कि न्यायालय में कार्य शुरू हुआ है अथवा नहीं, लेकिन इसी दौरान न्यायालय का आदेश आया, जिसमें क्रिमिनल प्रकरण को खारिज कर दिया गया, क्योंकि अपीलेंट की ओर से अधिवक्ता निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं हुए। यह आदेश 11.12.2021 को पारित किया गया। यह प्रकरण धारा 256 के अंतर्गत खारिज कर दिया गया तथा प्रतिवादी संख्या 2 को बरी कर दिया गया।

अपीलेंट के अधिवक्ता ने एक याचिका दायर करके इस आदेश को गलत ठहराया और अभियुक्त को क्षमा करने के आदेश को भी अनुचित करार दिया, जबकि साक्ष्य उस व्यक्ति के विरुद्ध उपलब्ध थे। प्रतिवादी के अधिवक्ता ने सरकार की ओर से जवाब प्रस्तुत करते हुए कहा किगत एक वर्ष से शिकायतकर्ता की ओर से कोई उपस्थित नहीं हुआ। इसी के कारण अपील को खारिज किया गया है। न्यायालय ने दोनों पक्षों के सभी साक्ष्यों का अध्ययन किया। दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के पक्ष को सुना। न्यायालय ने कहा कि संबंधित पक्ष को सुनकर ही निर्णय सुनाया जाना चाहिए। केवल तकनीकी कारण से अपील को खारिज नहीं किया जा सकता है। न्यायालय ने इसी संदर्भ में न्यायालय की खंडपीठ के हरिसिंह भगतत सिंह बनाम गुजरात सरकार संबंधित MANU/ GJ/1042/2013 के आदेश के हवाले से कहा कि यह स्पष्ट है कि न्यायालय गैर हाजिर रहने पर शिकायत को खारिज कर सकता है, लेकिन कानून के प्रावधान न्यायालय पर यह दायित्व भी डालते हैं कि न्यायिक अधिकारी इस प्रकरण की सुनवाई के लिए कोई अन्य तिथि निर्धारित कर सकता है। इस संबंध में हालात को देखकर ही न्यायालय को निर्णय लेना होगा।

इसी संदर्भ में न्यायालय के समक्ष गुजरात सरकार बनाम केशवराम शिवराम 1977 GLR524 का उदाहरण भी सामने रखा गया। धारा 256 के अंतर्गत न्यायाधीश को निश्चित रूप से अधिकार है। अगर शिकायतकर्ता उपस्थित नहीं होता है तो प्रतिवादी को दोषमुक्त मानकर उसे मुक्त कर सकता है, लेकिन इसके लिए यह भी सिद्ध होना चाहिए कि अभियुक्त को अनावश्यक तनाव का सामना नहीं करना पड़े। इसी धारा में यह भी कहा गया है कि न्यायाधीश ऐसे प्रकरण में स्थान भी दे सकता है।

न्यायालय ने उपरोक्त तथ्यों के आधार पर कहा कि इस प्रकरण में कार्यवाही लंबे समय तक चली है और अपीलेंट की समय-समय पर उपस्थिति भी रही है। इस प्रकरण में न्यायाधीश ने जल्दबाजी में निर्णय सुनाया है। इसके कारण न्याय प्रक्रिया भी प्रभावित हुई है तथा न्यायाधीश ने प्रतिवादी को दोषमुक्त करने में जल्दबाजी की है। शिकायतकर्ता केवल एक बार ही अनुपस्थित रहा है, लेकिन उसके आग्रह पर पुनः प्रकरण की सुनवाई के लिए भी न्यायालय तैयार नहीं हुआ है।

न्यायालय ने कहा कि संपूर्ण प्रकरण के अंतर्गत न्यायालय का यह मानना है कि ट्रायल न्यायालय ने बहुत जल्दबाजी में निर्णय लिया है और प्रकरण को खारिज करने का आदेश दिया है। न्यायालय ने कहा कि न्यायालय यह अपील स्वीकार करता है तथा ट्रायल न्यायालय के आदेश को खारिज करता है तथा पुनः प्रकरण की ट्रायल न्यायालय के द्वारा सुनवाई का आदेश देता है। न्यायालय ने 11.12.2012 के आदेश को खारिज करने का आदेश दिया तथा पुनः सुनवाई का भी आदेश दिया गया। हालांकि अपीलेंट के 1000 रुपए जमा करने का भी आदेश लागत के संदर्भ में दिया गया। न्यायालय ने कहा कि संपूर्ण प्रकरण की सुनवाई ट्रायल न्यायालय के द्वारा त्वरित स्तर पर की जाए तथा छह माह की अवधि में निर्णय सुनाया जाए। न्यायालय ने कहा कि धारा 256 व 247 के अंतर्गत एक प्रतिवादी को अनावश्यक प्रताड़ना से बचाने का प्रावधान किया गया है, लेकिन केवल एक बार शिकायतकर्ता के अनुपस्थित रहने पर न्यायालय प्रतिवादी को ही दोषमुक्त घोषित कर दे। जब ऐसे हालात हों तो न्यायालय को स्थगन का भी रास्ता अपने निर्णय में अपनाना चाहिए। ऐसे हालात में प्रतिवादी को दोषमुक्त घोषित नहीं करना चाहिए। न्यायालय अगर यह महसूस करता है कि निर्धारित सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता की उपस्थिति आवश्यक नहीं है तो वह इस संदर्भ में कार्यवाही जारी भी रख सकता है अथवा प्रकरण को स्थगित भी कर सकता है।

सूचना

इस पृष्ठ पर प्रकाशित सभी न्याय निर्णय मूल निर्णयों की नकल नहीं हैं। यह निर्णय मूल निर्णय को पढ़कर पाठकों के हित में प्रकाशित किये गये हैं। आवश्यकता पड़ने पर मूल निर्णय को अवश्य देखें।

—संपादक

हेल्थ ● सोसायटी ● एज्युकेशन

व्रीफ न्यूज़...

आईसीआईसीआई बैंक के सहयोग से 25 हजार डिक्शनरी वितरित

बीकानेर/नि.सं। संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज के पवन ने कहा कि वर्तमान तकनीकी युग में विद्यार्थी पुस्तकों से दूर हो रहे हैं। ऐसे में शिक्षकों को बच्चों को पुस्तकों से जोड़ने की दिशा में विशेष प्रयास करने होंगे। डॉ. पवन शिक्षा निदेशालय में आयोजित पॉकेट डिक्शनरी वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि डिक्शनरी या शब्दकोश का ज्ञान कक्षाओं की सीमा से परे है। वर्तमान में नई तकनीक व उद्योगों के मद्देनजर अंग्रेजी की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। राज्य सरकार प्रदेश में शिक्षा के ढांचे को सुदृढ़ बनाने की दिशा में अभूतपूर्व प्रयास कर रही है। हर बच्चे के पास खुद की डिक्शनरी हो, इस उद्देश्य के साथ पॉकेट डिक्शनरी वितरण प्रारम्भ किया गया है। आईसीआईसीआई बैंक के सहयोग से 25 हजार डिक्शनरी सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को वितरित कराई जाएगी।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक गौरव अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा विभाग स्कूली शिक्षा को रटने की बजाय समझने वाला बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। बच्चों में शिक्षा के प्रति रूचि पैदा हो, इसके लिए पाठ्यक्रम पर ध्यान दिया गया है। उन्होंने डिक्शनरी उपलब्ध करवाने के लिए आईसीआईसी बैंक का आभार व्यक्त किया।

मोशन एजुकेशन कोटा से फ्री जेईई/नीट की तैयारी का सपना होगा पूरा

कोटा/नि.सं। मोशन एजुकेशन की ओर से कोटा में जेईई, नीट और कक्षा 6 से 9वें के साथ विभिन्न ओलम्पियाड की निशुल्क कोचिंग के लिए 28 मार्च को शिक्षा जगत को अनूठी लॉटरी निकाली जाएगी।

मोशन एजुकेशन के फाउंडर और सीईओ नितिन विजय ने बताया कि हम प्रतिभावान बच्चों को उनके बोर्ड में प्राप्त अंकों और मोशन टेलेंट सर्च एजाम के आधार पर करोड़ों रुपए की स्कॉलरशिप देते हैं। इसके अलावा हर साल लॉटरी निकालकर शिक्षा जगत की अनूठी स्कॉलशिप भी देते हैं। इसके लिए कोई भी बच्चा आवेदन कर सकता है। इसके तहत मोशन के यू-ट्यूब चैनल्स की कमाई से स्कॉलरशिप दी जाती है। इसमें कुछ राशि और मिलाकर बच्चों की स्कॉलरशिप पर खर्च करते रहे हैं। इसके तहत इस वर्ष करीब 140 से अधिक स्टूडेंट्स को स्कॉलरशिप दी जानी है। कोटा क्लासरूम, ऑनलाइन पढ़ाई के अलावा इसमें एक-एक स्टूडेंट ऐसा भी होगा, जिसको कोचिंग के अलावा हॉस्टल और मेस का खर्च भी स्कॉलरशिप के तहत दिया जाएगा। 21-21 स्टूडेंट्स को क्लासरूम और 51-51 स्टूडेंट्स को मोशन लॉनिंग एप के लिए स्कॉलरशिप दी जाएगी। बच्चों को मोशन एजुकेशन के यूट्यूब चैनल और वेबसाइट https://motion.ac.in पर ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा। इसके लिए 27 मार्च अंतिम तिथि रखी गई है। 28 मार्च को शाम 5 बजे इसकी लॉटरी पूरा पारदर्शिता के साथ निकाली जाएगी। गौतलब है कि पिछले वर्ष जिला कलक्टर द्वारा यह लॉटरी निकाली गई थी।



ब्रेसेस को दांत पर चिपकाने वाले नए बॉन्डिंग मैटेरियल की खोज

नई दिल्ली/आईएनएस

टेडे मेहे अनियमित दांतों को ठीक करने में ऑर्थोडॉन्टिक ब्रेसेस और उसको दांत पर चिपकाने वाले बॉन्डिंग मैटेरियल का महत्वपूर्ण रोल होता है। वर्तमान में प्रयुक्त होने वाले बॉन्डिंग पदार्थ की अपनी कमियाँ हैं। हालांकि अब बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने बॉन्डिंग से जुड़ी एक नई खोज की है। विश्वविद्यालय की खोज को बकायदा अगले 20 वर्षों का पेटेंट भी प्रदान किया गया है।

ऑर्थोडॉन्टिक्स शाखा डेंटिस्ट्री की सुपरस्पेशलिटी है, जिसमें टेडे मेहे अनियमित दांत, जबड़े और चेहरे को ठीक किया जाता है। दांतों में विकृति या जबड़े का टेढ़ापन होने से न सिर्फ खाने पीने में दिक्कत होती है बल्कि मुंह व चेहरा भी असामान्य दिखते हैं। इस समस्या का इलाज किसी भी उम्र में किया जा सकता है, हालांकि, इलाज के लिए सात साल से 18 साल तक की उम्र सबसे उपयुक्त रहती है। इस इलाज में 6 महीने से 3 साल तक का समय लग सकता है। इस इलाज में दांतों पर ब्रेसेस का प्रयोग किया जाता है।

ऑर्थोडॉन्टिक ब्रेसेस को दांत पर चिपकाने के



लिए बॉन्डिंग मैटेरियल का उपयोग होता है। वर्तमान में प्रयुक्त होने वाले पदार्थ की अपनी कमियाँ हैं। कई मामलों में इलाज के बाद दांतों का आकार तो ठीक हो जाता है, लेकिन उनकी प्राकृतिक चमक या सफेदी नहीं रहती। ब्रेसेस लगे रहने के दौरान दांत साफ करते समय कई जगहों पर ठीक से सफाई नहीं हो पाती, इसके चलते दांतों के बीच कैविटी जमा होने लगती है, जो दांतों की सेहत को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है।

लिए बॉन्डिंग मैटेरियल का उपयोग होता है। वर्तमान में प्रयुक्त होने वाले पदार्थ की अपनी कमियाँ हैं। कई मामलों में इलाज के बाद दांतों का आकार तो ठीक हो जाता है, लेकिन उनकी प्राकृतिक चमक या सफेदी नहीं रहती। ब्रेसेस लगे रहने के दौरान दांत साफ करते समय कई जगहों पर ठीक से सफाई नहीं हो पाती, इसके चलते दांतों के बीच कैविटी जमा होने लगती है, जो दांतों की सेहत को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है।

लिए बॉन्डिंग मैटेरियल का उपयोग होता है। वर्तमान में प्रयुक्त होने वाले पदार्थ की अपनी कमियाँ हैं। कई मामलों में इलाज के बाद दांतों का आकार तो ठीक हो जाता है, लेकिन उनकी प्राकृतिक चमक या सफेदी नहीं रहती। ब्रेसेस लगे रहने के दौरान दांत साफ करते समय कई जगहों पर ठीक से सफाई नहीं हो पाती, इसके चलते दांतों के बीच कैविटी जमा होने लगती है, जो दांतों की सेहत को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है।

लिए बॉन्डिंग मैटेरियल का उपयोग होता है। वर्तमान में प्रयुक्त होने वाले पदार्थ की अपनी कमियाँ हैं। कई मामलों में इलाज के बाद दांतों का आकार तो ठीक हो जाता है, लेकिन उनकी प्राकृतिक चमक या सफेदी नहीं रहती। ब्रेसेस लगे रहने के दौरान दांत साफ करते समय कई जगहों पर ठीक से सफाई नहीं हो पाती, इसके चलते दांतों के बीच कैविटी जमा होने लगती है, जो दांतों की सेहत को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है।

इस समस्या के समाधान के लिए दांत चिकित्सा संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय तथा आईआईटी-बीएचयू के शोधकर्ताओं ने नए पदार्थ की खोज की है। इस शोध समूह में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में कार्यरत ऑर्थोडॉन्टिक विषय के चिकित्सक प्रोफेसर अजीत विक्रम परिहार, प्रोफेसर टीपी चतुर्वेदी, शोधार्थी साधना स्वराज, तथा आईआईटी-बीएचयू के स्कूल ऑफ मैटिरियल साइंस विभाग के प्रो. प्रलय मैती व उनके शोध छात्र सुदीप्त सेनापति शामिल हैं। इस समूह द्वारा खोजे गए बॉन्डिंग मटिरियल की विशेषता यह है कि यह ब्रेसेस के साथ इस्तेमाल होने पर दांतों पर कैल्शियम व फॉस्फोरस की उपस्थिति सुनिश्चित करता है, जिससे दांतों की चमक व सफेदी पर असर नहीं पड़ता।

साथ ही साथ नया पदार्थ बैक्टीरिया रोधी गुणों के चलते कैविटी को उत्पन्न होने से रोकने में सहायक होता है। इस खोज की नवीनता के मद्देनजर भारत सरकार ने शोधकर्ताओं के इस कार्य को 20 वर्ष के लिए पेटेंट प्रदान किया है। आगे की खोज में शोधकर्ता इस पदार्थ को इलाज में इस्तेमाल योग्य बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं।

साथ ही साथ नया पदार्थ बैक्टीरिया रोधी गुणों के चलते कैविटी को उत्पन्न होने से रोकने में सहायक होता है। इस खोज की नवीनता के मद्देनजर भारत सरकार ने शोधकर्ताओं के इस कार्य को 20 वर्ष के लिए पेटेंट प्रदान किया है। आगे की खोज में शोधकर्ता इस पदार्थ को इलाज में इस्तेमाल योग्य बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं।

साथ ही साथ नया पदार्थ बैक्टीरिया रोधी गुणों के चलते कैविटी को उत्पन्न होने से रोकने में सहायक होता है। इस खोज की नवीनता के मद्देनजर भारत सरकार ने शोधकर्ताओं के इस कार्य को 20 वर्ष के लिए पेटेंट प्रदान किया है। आगे की खोज में शोधकर्ता इस पदार्थ को इलाज में इस्तेमाल योग्य बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं।

साथ ही साथ नया पदार्थ बैक्टीरिया रोधी गुणों के चलते कैविटी को उत्पन्न होने से रोकने में सहायक होता है। इस खोज की नवीनता के मद्देनजर भारत सरकार ने शोधकर्ताओं के इस कार्य को 20 वर्ष के लिए पेटेंट प्रदान किया है। आगे की खोज में शोधकर्ता इस पदार्थ को इलाज में इस्तेमाल योग्य बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं।

साथ ही साथ नया पदार्थ बैक्टीरिया रोधी गुणों के चलते कैविटी को उत्पन्न होने से रोकने में सहायक होता है। इस खोज की नवीनता के मद्देनजर भारत सरकार ने शोधकर्ताओं के इस कार्य को 20 वर्ष के लिए पेटेंट प्रदान किया है। आगे की खोज में शोधकर्ता इस पदार्थ को इलाज में इस्तेमाल योग्य बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं।

समय की मांग

गुरसे में बोला गया एक कूड शब्द, हजारों बोले गये मीठे शब्दों को भी समाप्त करने की ताकत रखता है।

साभार :- शारदा-नवल डोगा

आज का विचार

अजीब रियति है कि व्यस्तम् व्यक्ति संवेद सुलभ होता है।

- अहलत

नफा नुकसान

<div></div> <div>स्वत्वाधिकारी कुशाग्र पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए मुद्रक व प्रकाशक</div>
जितेन्द्र कोठारी द्वारा 52-53, कल्याण कॉलोनी, मालवीया नगर, जयपुर-17 (रजि. ऑफिस) एवं 204, गौरव टॉवर मालवीया नगर, जयपुर-17 (कार्यालय) से प्रकाशित एवं कुशाग्र पब्लिकेशन्स प्रा. लिमिटेड, एसपीएल-4(ए), सीतापुरा इण्डस्ट्रियल एरिया, जयपुर से मुद्रित।
सम्पादक: वैभव कोठारी
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)
फोन: 0141-4011152 <p>0141-3518087</p> ई-मेल : info@nafanuksan.com
<div></div> <div>डिसक्लेमर</div>
<small>नफा नुकसान में प्रकाशित हर प्रकार के कंटेंट के ज़रिए पाठकों को कारोबारी जगत में हो रहे घटनाक्रमों की जानकारी, विश्लेषण, सूचनाएं आदि देने का प्रयास रहता है। इनमें से कई बार ऐसे से कंटेंट का प्रकाशन भी हो सकता है जो नफा नुकसान के पास उपलब्ध जानकारीयों से मेल नहीं खाता हो व अलग हो। इधरलिए नफा नुकसान में प्रकाशित कंटेंट के आधार पर अगर कोई कैसा भी निर्णय करता है तो उसकी जिम्मेदारी नफा नुकसान नहीं लेता है। पाठक स्वयं अपने विवेक से ही निर्णय करें ऐसी अपेक्षा की जाती है। नफा नुकसान में जिन विज्ञापनों का प्रकाशन किया जाता है उनके बारे में यह स्पष्ट किया जाता है कि नफा नुकसान का किसी भी विज्ञापनदाता से विज्ञापन के अलावा अन्य कोई सरोकार नहीं है और न ही विज्ञापनों में दर्शाई सामग्री का कोई समर्थन नफा नुकसान द्वारा किया जाता है। विज्ञापनों से संबंधित किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण व दावे के लिए विज्ञापनदाता ही जिम्मेदार होगा। नफा नुकसान में प्रकाशित कंटेंट लेखकों, न्यूज़ एजेंसी व संपादकीय विभाग द्वारा उपलब्ध कराए जाते हैं जिनपर पूरी तरह से नफा नुकसान का सर्वाधिकार है। नफा नुकसान में प्रकाशित किसी भी तरह के कंटेंट का किसी भी व्यक्ति, संस्थान या अन्य द्वारा बिना नफा नुकसान की लिखित अनुमति के प्रकाशन व प्रसारण किया जाना गैर-कानूनी होगा।</small>

INFOSYS LTD.

शेयर भाव 1374.50-1.08

कंपनी के शेयर गुरुवार को 6 महीने के मिनिमम लेवलस पर आ गए।

STAR CEMENT LTD.

शेयर भाव 114.556.16

कंपनी के शेयरों में गुरुवार को भारी वॉल्यूम के साथ बड़ी बढ़त दर्ज की गई।

TEGA IND. LTD.

शेयर भाव 701.406.58

मजबूत ग्रोथ आउटलुक के चलते कंपनी के शेयर वार्षिक उच्च लेवलस पर पहुंच गए।

VEDANTA LTD.

शेयर भाव 271.35-4.87

अनिल अग्रवाल द्वारा कंपनी में कुछ होल्डिंग बेचे जाने की रिपोर्ट्स के बीच कंपनी के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

VA TECH WABAG LTD.

शेयर भाव 357.856.46

पिछले 1 सप्ताह में कंपनी के शेयरों में 12% की बढ़त आ चुकी है।

CAREER POINT LTD.

शेयर भाव 193.3511.06

कंपनी के शेयर वार्षिक उच्च लेवलस पर ट्रेड कर रहे हैं।

SOBHA LTD.

शेयर भाव 436.45-3.62

कंपनी के शेयरों में गुरुवार को लगातार दूसरे कारोबारी दिन बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

INDIA DERIVATIVE CLOCK

TOTAL DERIVATIVE TURNOVER

7,903,192,704.82 Crore

* NSE+BSE / Till 21 March 2023

INDIA DEBT CLOCK

TOTAL DEBT

₹ 190,199,714,795,542

PER CAPITA DEBT

₹ 137,826

As on 21 March. 2023 at 6:40 PM

U.S. DEBT CLOCK

TOTAL DEBT

\$31,632,652,769,542

PER CAPITA DEBT

\$94,536

As on 21 March. 2023 at 6:46 PM

Source : Nafanuksan Research

SPURT IN VOLUME				
Scrip Name	Today (Lacs)	2 Wk Avg (Lacs)	Chg (Times)	LTP
HMVL	26.23	0.11	243.45	46.6
AIANG	4.19	0.02	225.42	2827.15
STARGEMENT	19.65	0.14	137.45	114.55
ANANDRATHI	3.34	0.03	121.43	807.25
MOTILALOFS	3.27	0.06	59.24	558.45
KANSAINER	2.04	0.05	42.72	384.5
VADILALIND	0.48	0.02	31.27	2107.05
PARAGMILK	8.32	0.31	27.27	75.38
NAVA	4.98	0.29	17.46	232.35
DHANI	31.29	1.95	16.02	28.48
SOBHA	4.29	0.34	12.72	436.45
VAKRANGEE	124.91	12.95	9.64	16.89
JKTYRE	10.37	1.13	9.21	167.3
CAMPUS	1.68	0.19	8.9	369.1
AEGISLOG	2.34	0.46	5.08	393.95
SPARC	4.56	0.92	4.98	182.15
CRESSNA	21.06	5.22	4.03	25.02
VIKASLIFE	175.34	47.17	3.72	3.52

CATEGORIES TURNOVER			
	BUY	SALES	NET
Clients	1,153.55	1,252.86	-99.32
NRI	8.10	13.38	-5.28
Proprietary	956.20	862.91	93.30
FII	5,939.87	6,934.88	-995.01
DII	6,185.11	4,516.26	1,668.85
23/03/2023 (राशि करोड़ रुपए में)			

ADVANCES / DECLINES				
Group	Advances	Declines	Unchanged	Total
A	240	465	3	708
B	428	731	17	1176
IF	3	3	0	6
M	58	55	6	119
MS	2	1	0	3
MT	2	6	0	8
P	4	5	1	10
R	1	0	0	1
T	31	39	2	72
X	449	635	56	1140
XT	143	156	27	326
Z	18	41	6	65
Total	1379	2137	118	3634

INSTITUTIONAL ACTIVITY			
Reporting Date	Buy Value	Sale Value	Net Value
FII Investments			
21-Mar-23	4717.4	6623.05	-1905.65
20-Mar-23	18823.33	20522.02	-1698.69
17-Mar-23	8251.77	8085.07	166.7
16-Mar-23	5737.78	6984.47	-1246.69
15-Mar-23	7423.79	9632.63	-2208.84
DII Investments			
22-Mar-23	4755.39	4371.88	383.51
21-Mar-23	7628.22	5682.16	1946.06
20-Mar-23	9105.37	6228.73	2876.64
17-Mar-23	9693.46	7876.32	1817.14
16-Mar-23	9226.46	7175.01	2051.45
15-Mar-23	6343.80	4519.86	1823.94

MOST ACTIVE CALLS			
Symbol/Expiry	Strike Price	LTP	No of Traded Contracts
NIFTY 23-Mar-23	17,200	0.05	1,50,20,805
NIFTY 23-Mar-23	17,100	0.05	1,14,54,974
NIFTY 23-Mar-23	17,150	0.05	1,13,66,419
NIFTY 23-Mar-23	17,250	0.05	80,43,580
NIFTY 23-Mar-23	17,300	0.05	55,44,010

MOST ACTIVE PUTS			
NIFTY 23-Mar-23	17,100	23.2	1,67,12,917
NIFTY 23-Mar-23	17,050	0.05	1,02,73,139
NIFTY 23-Mar-23	17,150	73.2	99,08,515
NIFTY 23-Mar-23	17,000	0.05	83,54,208
NIFTY 23-Mar-23	17,200	120.4	61,66,657

F&O WATCH		
Product	No. of Contracts	Turnover (Rs. cr.)
Index Futures	4,50,557	42,051.43
Stock Futures	10,09,344	65,425.63
Index Options	44,41,83,514	4,21,35,629.36
Stock Options	35,19,256	2,34,180.94
F&O Total	44,91,62,671	4,24,77,287.36

COMPANY FOCUS

GR Infraprojects Ltd.

GRIL®

इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपर जीआर इंफ्राप्रोजेक्ट्स लि. महाराष्ट्र में 872.17 करोड़ रुपए के 6-लेन के प्रोजेक्ट के लिए L-1 बिडर के तौर पर उभरी है। इस खबर के चलते कंपनी के शेयरों में गुरुवार को तेजी रही व बीएसई पर कंपनी के शेयर 1065 रुपए का उच्च स्तर छूने के बाद कारोबारी दिन के अंत में 6.09 % की बढ़त के साथ 1027 रुपए पर बंद हुए। इससे पहले 22 मार्च को कंपनी को एनएचएआई से सूरत-नासिक-अहमदनगर-सोलापुर हाइवे को 6-लेन करने का भी ऑर्डर मिला था। वहीं 17 मार्च को कंपनी को खुर्दा-बोलंगीर रेल लाइन प्रोजेक्ट के तहत कंस्ट्रक्शन व रिलेटेड कार्यों का ऑर्डर भी मिला था। एक्सिस सिक्योरिटीज का मानना है कि कंपनी की ईपीसी प्रोजेक्ट्स की पाइपलाइन काफी मजबूत है जिससे कंपनी की ग्रोथ को सपोर्ट मिलने की संभावना है। ब्रोकरेज फर्म के अनुसार 2021-22 से 2023-24 के दौरान कंपनी की रेवेन्यू, ऑपरेटिंग प्रॉफिट व नेट प्रॉफिट में सालाना एवरेज क्रमशः 8%, 9% व 13% ग्रोथ होने की संभावना है।

- नफा नुकसान रिसर्च

एसबीएफसी फाइनेंस ने अपने आईपीओ का साईज 400 करोड़ रुपये घटाया

SBFC

मुंबई/एजंसा। गैर-बैंकिंग वित्ताय कपना एसबीएफसी फाइनेंस ने अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के आकार को 1,600 करोड़ रुपये से घटाकर 1,200 करोड़ रुपये कर दिया है। एसबीएफसी ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) को भेजी एक सूचना में कहा कि वह आईपीओ के आकार को 1,600 करोड़ रुपये से घटाकर 1,200 करोड़ रुपये कर रही है। कंपनी ने बिक्री पेशकश (ओएफएस) के आकार को घटाकर 450 करोड़ रुपये किया है। अब कंपनी के आईपीओ में 750 करोड़ रुपये तक के नये शेयर जारी किए जायेंगे और 450 करोड़ रुपये तक ओएफएस लाया जायेगा। हालांकि, कंपनी ने आईपीओ के आकार को कम करने के पीछे का कारण नहीं बताया है। एसबीएफसी ने नवंबर, 2022 में बाजार नियामक सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज जमा कराए थे।

बड़ी आईटी कंपनियां व्यापक अनिश्चितताओं के बीच शीर्ष स्तर पर बदलावों से रूबरू

नयी दिल्ली/एजेंसी। वैश्विक परिदृश्य में व्यापक अनिश्चितताओं के बड़ी आईटी कंपनियां नेतृत्व परिवर्तन और वरिष्ठ स्तर पर बदलावों का सामना कर रही हैं। इनमें इन कंपनियों के कुछ बेहद नौकरमाने चेहरे शामिल हैं। निचले स्तर पर नौकरी छोड़ने की खबरें पहले भी सुर्खियां बटोर चुकी हैं, लेकिन इस बार टीसीएस और इंफोसिस जैसी कंपनियों में वरिष्ठ नेतृत्व का इस्तीफा सुर्खियों में है। इंफोसिस में कुछ महीनों में दो अध्यक्ष स्तर के पदाधिकारियों ने अपना पद छोड़ दिया। रवि कुमार और मोहित जोशी ने क्रमशः कॉग्निजेंट और टेक महिंद्रा में शामिल होने के लिए कंपनी छोड़

दी। पिछले हफ्ते, टेक महिंद्रा ने जोशी को प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बनाने की घोषणा की। वह इस साल 19 दिसंबर को सी पी गुरानानी के सेवानिवृत्त होने के बाद उनका पदभार ग्रहण करेंगे। देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर सेवा

कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने अचानक घोषणा की कि उसके सीईओ राजेश गोपीनाथन 15 सितंबर तक ही पदभार संभालेंगे, जबकि उनके कार्यकाल में अभी चार साल से अधिक का वक्त बचा था। उद्योग के दिग्गज और इंफोसिस के पूर्व निदेशक टी वी मोहनदास पई ने पीटीआई-भाषा को बताया, कुल मिलाकर, कई कंपनियों में मची उथल-पुथल एक साथ आने वाले कई कारकों का नतीजा है। उद्योग के लिए यह अच्छी बात है कि समय-समय पर बदलाव आवश्यक होता है, क्योंकि इससे नए लोग और नयी सोच आती है। पई ने

कंपनी इन संयंत्रों का परिचालन 2025 से शुरू करना चाहती है। कंपनी ने हाल में भरूच जिले के पनोली जीआईडीसी में 1,25,000 वर्गफुट के भूखंड खरीदे हैं।

रोजगार मिलने की उम्मीद है।

मौजूदा समय में सूरत के होजीवाला में कंपनी के तीन विनिर्माण संयंत्र, एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र और एक पायलट संयंत्र हैं। वहीं सूरत के ही सचिन में उसके दो विनिर्माण केंद्र हैं।

कहा, कॉग्निजेंट जैसे एक या दो अपवादों को छोड़कर, सामान्य कारण यह है कि सभी लोगों ने महामारी के तनाव को देखा है। कुछ लोग थकान महसूस कर रहे होंगे और बदलाव चाहते हैं। दूसरा, उनमें से कई महामारी के बाद अपने करियर को फिर से आकार दे रहे हैं। वे अपनी कंपनियों में सीईओ बनने का इंतजार नहीं करना चाहते, इसलिए जब भी उन्हें कहीं और सीईओ बनने का मौका मिलता है, तो वे चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग महामारी के बाद सेवानिवृत्त होना चाहते हैं। इस तरह कई कारण हैं, जिनके चलते यह उठा-पटक चल रही है।

कंपनी इन संयंत्रों का परिचालन 2025 से शुरू करना चाहती है। कंपनी ने हाल में भरूच जिले के पनोली जीआईडीसी में 1,25,000 वर्गफुट के भूखंड खरीदे हैं।

रोजगार मिलने की उम्मीद है।

मौजूदा समय में सूरत के होजीवाला में कंपनी के तीन विनिर्माण संयंत्र, एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र और एक पायलट संयंत्र हैं। वहीं सूरत के ही सचिन में उसके दो विनिर्माण केंद्र हैं।

कहा, कॉग्निजेंट जैसे एक या दो अपवादों को छोड़कर, सामान्य कारण यह है कि सभी लोगों ने महामारी के तनाव को देखा है। कुछ लोग थकान महसूस कर रहे होंगे और बदलाव चाहते हैं। दूसरा, उनमें से कई महामारी के बाद अपने करियर को फिर से आकार दे रहे हैं। वे अपनी कंपनियों में सीईओ बनने का इंतजार नहीं करना चाहते, इसलिए जब भी उन्हें कहीं और सीईओ बनने का मौका मिलता है, तो वे चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग महामारी के बाद सेवानिवृत्त होना चाहते हैं। इस तरह कई कारण हैं, जिनके चलते यह उठा-पटक चल रही है।

कंपनी इन संयंत्रों का परिचालन 2025 से शुरू करना चाहती है। कंपनी ने हाल में भरूच जिले के पनोली जीआईडीसी में 1,25,000 वर्गफुट के भूखंड खरीदे हैं।

रोजगार मिलने की उम्मीद है।

मौजूदा समय में सूरत के होजीवाला में कंपनी के तीन विनिर्माण संयंत्र, एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र और एक पायलट संयंत्र हैं। वहीं सूरत के ही सचिन में उसके दो विनिर्माण केंद्र हैं।

कहा, कॉग्निजेंट जैसे एक या दो अपवादों को छोड़कर, सामान्य कारण यह है कि सभी लोगों ने महामारी के तनाव को देखा है। कुछ लोग थकान महसूस कर रहे होंगे और बदलाव चाहते हैं। दूसरा, उनमें से कई महामारी के बाद अपने करियर को फिर से आकार दे रहे हैं। वे अपनी कंपनियों में सीईओ बनने का इंतजार नहीं करना चाहते, इसलिए जब भी उन्हें कहीं और सीईओ बनने का मौका मिलता है, तो वे चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग महामारी के बाद सेवानिवृत्त होना चाहते हैं। इस तरह कई कारण हैं, जिनके चलते यह उठा-पटक चल रही है।

कंपनी इन संयंत्रों का परिचालन 2025 से शुरू करना चाहती है। कंपनी ने हाल में भरूच जिले के पनोली जीआईडीसी में 1,25,000 वर्गफुट के भूखंड खरीदे हैं।

रोजगार मिलने की उम्मीद है।

मौजूदा समय में सूरत के होजीवाला में कंपनी के तीन विनिर्माण संयंत्र, एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र और एक पायलट संयंत्र हैं। वहीं सूरत के ही सचिन में उसके दो विनिर्माण केंद्र हैं।

कहा, कॉग्निजेंट जैसे एक या दो अपवादों को छोड़कर, सामान्य कारण यह है कि सभी लोगों ने महामारी के तनाव को देखा है। कुछ लोग थकान महसूस कर रहे होंगे और बदलाव चाहते हैं। दूसरा, उनमें से कई महामारी के बाद अपने करियर को फिर से आकार दे रहे हैं। वे अपनी कंपनियों में सीईओ बनने का इंतजार नहीं करना चाहते, इसलिए जब भी उन्हें कहीं और सीईओ बनने का मौका मिलता है, तो वे चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग महामारी के बाद सेवानिवृत्त होना चाहते हैं। इस तरह कई कारण हैं, जिनके चलते यह उठा-पटक चल रही है।

कंपनी इन संयंत्रों का परिचालन 2025 से शुरू करना चाहती है। कंपनी ने हाल में भरूच जिले के पनोली जीआईडीसी में 1,25,000 वर्गफुट के भूखंड खरीदे हैं।

रोजगार मिलने की उम्मीद है।

मौजूदा समय में सूरत के होजीवाला में कंपनी के तीन विनिर्माण संयंत्र, एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र और एक पायलट संयंत्र हैं। वहीं सूरत के ही सचिन में उसके दो विनिर्माण केंद्र हैं।

कहा, कॉग्निजेंट जैसे एक या दो अपवादों को छोड़कर, सामान्य कारण यह है कि सभी लोगों ने महामारी के तनाव को देखा है। कुछ लोग थकान महसूस कर रहे होंगे और बदलाव चाहते हैं। दूसरा, उनमें से कई महामारी के बाद अपने करियर को फिर से आकार दे रहे हैं। वे अपनी कंपनियों में सीईओ बनने का इंतजार नहीं करना चाहते, इसलिए जब भी उन्हें कहीं और सीईओ बनने का मौका मिलता है, तो वे चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग महामारी के बाद सेवानिवृत्त होना चाहते हैं। इस तरह कई कारण हैं, जिनके चलते यह उठा-पटक चल रही है।

कंपनी इन संयंत्रों का परिचालन 2025 से शुरू करना चाहती है। कंपनी ने हाल में भरूच जिले के पनोली जीआईडीसी में 1,25,000 वर्गफुट के भूखंड खरीदे हैं।

रोजगार मिलने की उम्मीद है।

मौजूदा समय में सूरत के होजीवाला में कंपनी के तीन विनिर्माण संयंत्र, एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र और एक पायलट संयंत्र हैं। वहीं सूरत के ही सचिन में उसके दो विनिर्माण केंद्र हैं।

कहा, कॉग्निजेंट जैसे एक या दो अपवादों को छोड़कर, सामान्य कारण यह है कि सभी लोगों ने महामारी के तनाव को देखा है। कुछ लोग थकान महसूस कर रहे होंगे और बदलाव चाहते हैं। दूसरा, उनमें से कई महामारी के बाद अपने करियर को फिर से आकार दे रहे हैं। वे अपनी कंपनियों में सीईओ बनने का इंतजार नहीं करना चाहते, इसलिए जब भी उन्हें कहीं और सीईओ बनने का मौका मिलता है, तो वे चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग महामारी के बाद सेवानिवृत्त होना चाहते हैं। इस तरह कई कारण हैं, जिनके चलते यह उठा-पटक चल रही है।

कंपनी इन संयंत्रों का परिचालन 2025 से शुरू करना चाहती है। कंपनी ने हाल में भरूच जिले के पनोली जीआईडीसी में 1,25,000 वर्गफुट के भूखंड खरीदे हैं।

रोजगार मिलने की उम्मीद है।

मौजूदा समय में सूरत के होजीवाला में कंपनी के तीन विनिर्माण संयंत्र, एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र और एक पायलट संयंत्र हैं। वहीं सूरत के ही सचिन में उसके दो विनिर्माण केंद्र हैं।

कहा, कॉग्निजेंट जैसे एक या दो अपवादों को छोड़कर, सामान्य कारण यह है कि सभी लोगों ने महामारी के तनाव को देखा है। कुछ लोग थकान महसूस कर रहे होंगे और बदलाव चाहते हैं। दूसरा, उनमें से कई महामारी के बाद अपने करियर को फिर से आकार दे रहे हैं। वे अपनी कंपनियों में सीईओ बनने का इंतजार नहीं करना चाहते, इसलिए जब भी उन्हें कहीं और सीईओ बनने का मौका मिलता है, तो वे चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग महामारी के बाद सेवानिवृत्त होना चाहते हैं। इस तरह कई कारण हैं, जिनके चलते यह उठा-पटक चल रही है।

कंपनी इन संयंत्रों का परिचालन 2025 से शुरू करना चाहती है। कंपनी ने हाल में भरूच जिले के पनोली जीआईडीसी में 1,25,000 वर्गफुट के भूखंड खरीदे हैं।

रोजगार मिलने की उम्मीद है।

मौजूदा समय में सूरत के होजीवाला में कंपनी के तीन विनिर्माण संयंत्र, एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र और एक पायलट संयंत्र हैं। वहीं सूरत के ही सचिन में उसके दो विनिर्माण केंद्र हैं।

कहा, कॉग्निजेंट जैसे एक या दो अपवादों को छोड़कर, सामान्य कारण यह है कि सभी लोगों ने महामारी के तनाव को देखा है। कुछ लोग थकान महसूस कर रहे होंगे और बदलाव चाहते हैं। दूसरा, उनमें से कई महामारी के बाद अपने करियर को फिर से आकार दे रहे हैं। वे अपनी कंपनियों में सीईओ बनने का इंतजार नहीं करना चाहते, इसलिए जब भी उन्हें कहीं और सीईओ बनने का मौका मिलता है, तो वे चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग महामारी के बाद सेवानिवृत्त होना चाहते हैं। इस तरह कई कारण हैं, जिनके चलते यह उठा-पटक चल रही है।

कंपनी इन संयंत्रों का परिचालन 2025 से शुरू करना चाहती है। कंपनी ने हाल में भरूच जिले के पनोली जीआईडीसी में 1,25,000 वर्गफुट के भूखंड खरीदे हैं।

रोजगार मिलने की उम्मीद है।

मौजूदा समय में सूरत के होजीवाला में कंपनी के तीन विनिर्माण संयंत्र, एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र और एक पायलट संयंत्र हैं। वहीं सूरत के ही सचिन में उसके दो विनिर्माण केंद्र हैं।

कहा, कॉग्निजेंट जैसे एक या दो अपवादों को छोड़कर, सामान्य कारण यह है कि सभी लोगों ने महामारी के तनाव को देखा है। कुछ लोग थकान महसूस कर रहे होंगे और बदलाव चाहते हैं। दूसरा, उनमें से कई महामारी के बाद अपने करियर को फिर से आकार दे रहे हैं। वे अपनी कंपनियों में सीईओ बनने का इंतजार नहीं करना चाहते, इसलिए जब भी उन्हें कहीं और सीईओ बनने का मौका मिलता है, तो वे चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग महामारी के बाद सेवानिवृत्त होना चाहते हैं। इस तरह कई कारण हैं, जिनके चलते यह उठा-पटक चल रही है।

कंपनी इन संयंत्रों का परिचालन 2025 से शुरू करना चाहती है। कंपनी ने हाल में भरूच जिले के पनोली जीआईडीसी में 1,25,000 वर्गफुट के भूखंड खरीदे हैं।

रोजगार मिलने की उम्मीद है।

मौजूदा समय में सूरत के होजीवाला में कंपनी के तीन विनिर्माण संयंत्र, एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र और एक पायलट संयंत्र हैं। वहीं सूरत के ही सचिन में उसके दो विनिर्माण केंद्र हैं।

कहा, कॉग्निजेंट जैसे एक या दो अपवादों को छोड़कर, सामान्य कारण यह है कि सभी लोगों ने महामारी के तनाव को देखा है। कुछ लोग थकान महसूस कर रहे होंगे और बदलाव चाहते हैं। दूसरा, उनमें से कई महामारी के बाद अपने करियर को फिर से आकार दे रहे हैं। वे अपनी कंपनियों में सीईओ बनने का इंतजार नहीं करना चाहते, इसलिए जब भी उन्हें कहीं और सीईओ बनने का मौका मिलता है, तो वे चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग महामारी के बाद सेवानिवृत्त होना चाहते हैं। इस तरह कई कारण हैं, जिनके चलते यह उठा-पटक चल रही है।

कंपनी इन संयंत्रों का परिचालन 2025 से शुरू करना चाहती है। कंपनी ने हाल में भरूच जिले के पनोली जीआईडीसी में 1,25,000 वर्गफुट के भूखंड खरीदे हैं।

रोजगार मिलने की उम्मीद है।

मौजूदा समय में सूरत के होजीवाला में कंपनी के तीन विनिर्माण संयंत्र, एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र और एक पायलट संयंत्र हैं। वहीं सूरत के ही सचिन में उसके दो विनिर्माण केंद्र हैं।

कहा, कॉग्निजेंट जैसे एक या दो अपवादों को छोड़कर, सामान्य कारण यह है कि सभी लोगों ने महामारी के तनाव को देखा है। कुछ लोग थकान महसूस कर रहे होंगे और बदलाव चाहते हैं। दूसरा, उनमें से कई महामारी के बाद अपने करियर को फिर से आकार दे रहे हैं। वे अपनी कंपनियों में सीईओ बनने का इंतजार नहीं करना चाहते, इसलिए जब भी उन्हें कहीं और सीईओ बनने का मौका मिलता है, तो वे चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग महामारी के बाद सेवानिवृत्त होना चाहते हैं। इस तरह कई कारण हैं, जिनके चलते यह उठा-पटक चल रही है।

कंपनी इन संयंत्रों का परिचालन 2025 से शुरू करना चाहती है। कंपनी ने हाल में भरूच जिले के पनोली जीआईडीसी में 1,25,000 वर्गफुट के भूखंड खरीदे हैं।

रोजगार मिलने की उम्मीद है।

मौजूदा समय में सूरत के होजीवाला में कंपनी के तीन विनिर्माण संयंत्र, एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र और एक पायलट संयंत्र हैं। वहीं सूरत के ही सचिन में उसके दो विनिर्माण केंद्र हैं।

कहा, कॉग्निजेंट जैसे एक या दो अपवादों को छोड़कर, सामान्य कारण यह है कि सभी लोगों ने महामारी के तनाव को देखा है। कुछ लोग थकान महसूस कर रहे होंगे और बदलाव चाहते हैं। दूसरा, उनमें से कई महामारी के बाद अपने करियर को फिर से आकार दे रहे हैं। वे अपनी कंपनियों में सीईओ बनने का इंतजार नहीं करना चाहते, इसलिए जब भी उन्हें कहीं और सीईओ बनने का मौका मिलता है, तो वे चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग महामारी के बाद सेवानिवृत्त होना चाहते हैं। इस तरह कई कारण हैं, जिनके चलते यह उठा-पटक चल रही है।

कंपनी इन संयंत्रों का परिचालन 2025 से शुरू करना चाहती है। कंपनी ने हाल में भरूच जिले के पनोली जीआईडीसी में 1,25,000 वर्गफुट के भूखंड खरीदे हैं।

रोजगार मिलने की उम्मीद है।

मौजूदा समय में सूरत के होजीवाला में कंपनी के तीन विनिर्माण संयंत्र, एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र और एक पायलट संयंत्र हैं। वहीं सूरत के ही सचिन में उसके दो विनिर्माण केंद्र हैं।

STOCK SCREENER

Agarwalam

P/C; D/MCap; Promoter holding more than 30%; Promoter holding increased, Debt reduced

S.No.	Name	Stock Price [23.03.23]	P/E	Mar Cap Rs.Gr.	Div Yld %	NP Qtr Rs.Gr.	Qtr Profit Var %	Sales Qtr Rs.Gr.	Qtr Sales Var %	ROCE %	Prom. Hold. %	Change in Prom Hold %	Debt Rs.Gr.
1	ECS Biztech	5.25	16.35	10.79	0	0.02		0.26	-42.22	0.68	66.21	0.47	11.27
2	Chembond Chem.	250.7	20.32	337.36	1.99	8.26	249.58	110.62	18.34	7.08	67.55	0.06	5.68
3	Chambal Fert.	270.35	9.51	11250.1	2.77	323.91	-25.55	8296.21	74.9	23.36	60.56	0.08	6934.07
4	Misquita Engg.	41	30.69	11.05	0					9.21	74.39	0.15	1.29
5	Kilburn Engg.	94.35	14.96	337.85	0	7.5	1049.37	53.82	130.2	8.62	56.48	1.91	71.13
6	Bombay Super Hyb	322.35	208.16	3382.65	0	6.65	148.13	68.96	9.83	18.71	73.8	0.53	0.11
7	Austin Engg Co	126.55	11.5	44.04	0	1.32	560	25.86	21.69	3.97	34.17	0.16	0.14
8	Avonmore Capital	61.65	1.19	143.75	0	5.34	-39.66	21.42	-1.88	24.34	68.24	0.59	17.68
9	Roopshri Resorts	34		19.84	0					-1.59	64.22	1.64	0
10	Sh. Krish. Infir.	39	4095	40.95	0	-0.13		0.19		0.25	41.42	1.79	0
11	Gati	105.95		1376.78	0	-4.7	-275.22	441.35	6.67	2.05	53.12	1.7	323.3
12	GI Engg.Sol.	6.35	15.99	23.03	0	1.33	13400	438.76	1462433.33	-0.46	40.89	1.11	0
13	Yug Decor	56.5	353.41	35.34	0					4.83	70.34	0.29	2.52
14	Gopal Iron Sdl.	5.17	254.51	2.55	0	0.01	150	0.39		-12.78	57.01	2.73	0.53
15	Acrow India	1015.2		64.97	0	0.35	284.21	0		-3.81	54.61	54.61	0
16	Radhika Jeweltec	153	12.59	362.25	0.65	10.86	-3.64	95.01	3.27	18.51	63.73	0.08	33.5
17	Sharad Fibres	43.6		19.04	0	-0.95	-9400	0		-25.87	66.43	0.15	0
18	Alfa Transformer	22.12	106.51	20.24	0	0.87	212.99	12.09	423.38	-16.46	46.99	0.01	7.29
19	Vera Synthetic	85.75	21.48	42.32	0	-1.03		9.72		15.48	68.3	8.11	1.68
20	Parenteral Drugs	3.8		11.33	0	23.81	-14.29	1.77	-31.13		73.28	0.01	107.2
21	Delta Manufact.	65.8		70.92	0	-2.83	34.04	21.39	-13.58	-6.95	72.08	0.85	39.38
22	U. Y. Fincorp	12.71		241.79	0	5.25	23.98	15.27	-56.42	2.11	68.41	0.1	1
23	Mah. Seamless	364.6	8.14	4884.23	0.69	171.92	81.41	1338.55	17.48	12.54	67.63	0.38	637.46
24	Promact Impex	2.8		1.82	0	-0.28	-40	0.05	150	-15.25	38.87	0.15	6.42
25	AD Manum Finance	51.7	8.67	38.78	0	2.79	206.59	3.81	59.41	4.5	70.46	0.01	12.67
26	Mangalore Chem.	103.05	17.39	1221.95	1.16	76.17	145.16	1173.24	54.03	10.72	60.63	0.09	1429.19
27	Giriraj Civil	176	15.82	57.1	0	0.77		21.96		13.54	69.19	5	17.88
28	S P I C	58.25	4.23	1184.98	0	89.66	50.49	698.62	41.85	23.28	53.38	0.1	251.93
29	IFCI	10.1	71.92	2209.05	0	109.08	113.41	347.5	26.83	-4.69	66.35	1.49	6445.99
30	Rane Engine Val.	208.4		146.37	0	-1.77	321.88	124.06	26.21	-1.33	57.3	2.18	130.43
31	Poonawalla Fin	285.2	36.49	21905.37	0.14	182.44	89.12	697.77	37.37	8.42	62.05	0.57	12439.91
32	Ecoboard Inds.	20.78		37.05	0	-2.17	-537.5	5.02	-56.27	2.67	57.25	0.01	23.27
33	Rapicut Carbides	43.11		23.15	0	-0.59	-110.71	8.21	19.85	-2.12	40.1	1.08	1.21
34	Ahimsa Industrie	8.7		4.76	0					0.52	69.61	0.33	4.16
35	Ador Multi Prod.	54.48		25.46	0	-2.39	-73.19	2.86	39.51	-34.77	38.55	0.01	0.09
36	Rodium Realty	40.03	18.31	13	0	-0.02	96.15	6.36	297.5	0.7	68.86	0.06	92.06
37	R T Exports	17.2	5.28	7.5	0	0.24	158.54	1		4.62	70.81	4.65	0.62
38	Atlanta	14.6		117.89	0	5.7	-45.28	23.43	97.39	-40.19	71.82	8.52	845.11
39	India Home Loans	36.56	41.77	52.22	0	0.19	171.43	5.71	-32.67	10.81	36.29	0.08	107.65
40	Jai Balaji Inds.	45.55	8.54	661.83	0	27.91	134.74	1536.95	20.11	9.19	55.9	2.13	2906.39
41	Suchitra Finance	45.04	5.53	41.99	0	2.25	15.38	4.42	22.1	8.54	67.54	4.46	48.21
42	Madhav Marbles	40.35		36.02	0.62	-1.7	-7.59	9.2	-19.09	0.77	42.43	0.21	9.6
43	Prakash Steelage	4.05	19.75	70.52	0	1.67	-95.83	27.32	120.68		33.3	0.21	29.53
44	Modella Woollens	78.01	4.58	7.1	0	1.49	1254.55	0		20.78	46.1	0.27	0
45	Peria Kara. Tea	294.8		91.27	0.34	0.03	101.36	13.64	25.48	1.79	60.93	2.39	19.68
46	Sri Ramakr. Mill	23.4		16.66	0	0.2	119.8	9.9	-16.24	14.18	64.01	0.01	32.86
47	Nitin Spinners	222.15	5.9	1249.81	1.8	31.58	-66.14	537.2	-23.79	36.63	56.4	0.04	577.17
48	DCM Nouvelle	134.8	7.46	250.19	0	-2.53	-108.2	209.52	-9.4	41.97	50.11	0.03	72.11
49	Jeevan Scienti.	52.98	59	82.01	2.27	0.05	-98.69	9.95	-38.08	27.85	36.85	0.38	10.51
50	LKP Securities	12.39	14.21	93.19	2.42	0.88	-69.44	19.97	-11.32	30	70.86	0.82	20.19
	Median: 149 Co.	71.15	15.6	142.61	0	2.77	7.96	35.36	8.84	11.18	60.63	0.25	18.07

FALL FROM INTRADAY HIGH

Company name	High	Low	Last Price	Below Day's High (Rs.)	(%)
Relicab Cable M	86.45	60.8	63	-23.45	-27.13
Martin Burn Ltd	45.78	35.5	35.5	-10.28	-22.46
SKP Securities	82.4	65.25	67	-15.4	-18.69
Ramchandra Lees	1.11	0.9	0.91	-0.2	-18.02
Samrat Forgings	183.9	151.2	151.2	-32.7	-17.78
Swam Software	3.58	3	3	-0.58	-16.2
Oswal Agro	31.89	26.82	26.82	-5.07	-15.9
Cinevista	17.06	14.39	14.39	-2.67	-15.65
BIL	38.85	33.01	33.01	-5.84	-15.03
Ace Soft Export	18.22	15.5	15.5	-2.72	-14.93
Jaysynth Dyeste	57	47.05	48.6	-8.4	-14.74
Asian Hotels	793.9	67.1	68.57	-11.31	-14.16
Systematic Com	265	223	230.5	-34.5	-13.02
Suchitra Fin	48.83	41.11	42.48	-6.35	-13
ECS Biztech	5.64	4.76	4.92	-0.72	-12.77
MSP Steel	9.5	8.3	8.3	-1.2	-12.63
Emmbi Ind	93.79	81.2	82.09	-11.7	-12.47
Madhav Marbles	44.99	39	39.42	-5.57	-12.38
Asit C Metals	125.85	108.45	110.3	-15.4	-12.26
CMF	16	14.05	14.05	-1.95	-12.19
PH CAPITAL	69.69	61.2	61.2	-8.49	-12.18
Laffans Petro	11.75	36.77	36.77	-4.98	-11.93
Capital India	115.94	91.7	102.16	-13.79	-11.89
Zodiac Ventures	26.47	23	23.33	-3.11	-11.75
Dofrin Rubbers	140	123.15	123.6	-16.4	-11.71
CCJ. Internation	16.17	14.26	14.3	-1.87	-11.56
Naradita Gems	51.9	45.6	46.01	-6.89	-11.31
North Eastern	21.18	18.59	18.8	-2.38	-11.14
Sunil Agro Food	149.8	133.1	133.1	-16.7	-11.25
Vakrangee	19	16.34	16.87	-2.11	-11.11
Smruthi Organic	154.8	125.35	137.9	-17.1	-11.05
Kallangi Spinning	9.24	8	8.23	-1.01	-10.93
Crestal Smiths	4.15	3.67	3.7	-0.45	-10.86
Mega Corp	1.58	1.41	1.41	-0.17	-10.76
Choksi Labs	36.5	32	32.65	-3.85	-10.55
Athens Global	56.9	50.9	50.9	-6	-10.54
Veer	194.9	175	175	-19.9	-10.21
Elefanti Flori	7.29	6.25	6.55	-0.74	-10.15
Vision Cinemas	0.8	0.8	0.09	-1.1	-10.11
Apollo Fininvest	59.5	47.5	48.45	-5.45	-10.6
Siel Finan	11.9	10.7	10.7	-1.2	-10.08
Banaras Beads	83.65	75.24	75.24	-8.41	-10.05
Nagareeka Export	36.66	30.66	33	-3.66	-9.98
AGI Greenpac	383.6	344.1	346	-37.6	-9.8
Polylink Polyme	20	16.65	18.05	-1.95	-9.75
Steel Str Infra	22.38	20.05	20.2	-2.16	-9.5
Shantini Industr	26.47	23.95	23.95	-2.52	-9.52
Virat Ind	220	199.05	199.05	-20.95	-9.52
TPCL	182.7	165.3	165.3	-17.4	-9.52
Purple Entertai	6.09	5.51	5.51	-0.58	-9.52
Supra Pacific M	11.9	15.66	16.2	-1.7	-9.5
Naturo Indiabul	10	9.05	9.05	-0.95	-9.5
Leading Leasing	5.7	5.16	5.16	-0.54	-9.47
Leading Leasing	5.7	5.16	5.16	-0.54	-9.47
Pace E Commerce	22.81	20.55	20.65	-2.16	-9.47
Padam Cotton	23.86	21.6	21.6	-2.26	-9.47
MPL Plastics	15.75	14.25	14.26	-1.49	-9.46
Shubham Polysp	18.75	16.98	16.98	-1.77	-9.44
Key Corporation	50.8	46.01	46.01	-4.79	-9.43
Lohia Sec	299.95	271.7	271.7	-28.25	-9.42

RECOVERY FROM INTRADAY LOW

Company name	High	Low	Last Price	Above Day's Low (Rs.)	(%)
Rajeshwari	176.05	132.6	176.05	43.45	32.77
Diggi Multitrad	23	18.5	23	4.5	24.32
Gold Coin Healt	7.34	5.92	7.28	1.36	22.97
Market Creat	8.96	7.36	8.96	1.6	21.74
Shri Jagdamba	563	450	545	95	21.11
Pan Electronics	33.5	28.02	33.49	5.47	19.52
WARDWIZ/BLP	42.95	35.25	41.5	6.25	17.73
PanasonicCarton	38.1	30.4	35.7	5.3	17.43
Omnipotent	9.39	8.02	9.37	1.37	17.08
Dhanlakmi Fabri	49.21	42.1	49.21	7.1	16.89
FGP	6.47	5.51	6.43	0.92	16.7
Indo-City	7.47	6.45	7.47	1.02	15.81
Burnpur Cement	4.76	4.15	4.76	0.61	14.7
Precision Camsh	104.4	89	102	14.61	14.1
Dhanraj Poly	128	111.7	127.45	15.75	14.1
BAMPSL Sec	8.25	7.3	8.25	0.95	13.01
Encode Packag	8.77	7.35	8.3	0.95	12.93
High Energy	344.9	297	335	38	12.79
High Energy	344.9	297	335	38	12.79
APL	34.9	31	34.9	3.9	12.58
Valiant Organi	484.55	426.1	478.45	52.35	12.29
Ashapura Mine	118	102	114.5	12.5	12.25
Mazari Arts	1.97	1.72	1.93	0.21	12.21
Danube Ind.	14.2	12.2	13.68	1.48	12.13
Suditi Ind	19.99	16.5	18.5	2	12.12
Megri Soft	112	96.85	108.55	11.7	12.01
Shri Rama Multi	9.7	8.66	9.7	1.04	12.01
Onelife Capital	13.68	11.85	13.27	1.42	11.98
Solid Stone	33.5	29.9	33.48	3.58	11.97
RPP Infra Proj	45.3	39	43.66	4.66	11.

भाव अपडेट

बिलिंग मेटेरियल

सीमेंट (भाव प्रति कट्टा/50 किलो/एफओआर) एससी 385, जेके सुपर (43 ग्रेड) 405, जेके सुपर (पीपीसी)370, बिड़ला उत्तम 370, जेके लक्ष्मी (पीपीसी) 365, जेके लक्ष्मी प्रो. 410, श्रीसीमेंट (पीपीसी) 350, अम्बुजा 385, सकरनी व्हाइट सीमेंट 960, बांगड़ 345, **पीओपी:** सकरनी प्लास्टर (आईएसआई 25 किलो) 220,जेके लक्ष्मी प्लास्ट (25 किलो) 230, सकरनी बॉल पुट्टी (20 किलो) 500, ईट (एफओआर दिल्ली/वैट अतिरिक्त)(प्रति 1000 नग): **अव्वल:** हरियाणा 6800, उत्तर प्रदेश 6750, **दोयम:** हरियाणा 6750, उत्तर प्रदेश 6650, लाल पेटी 6300, रोड़ी (प्रति 400 वर्ग फुट): नीली 21300, सफेद 21800, **स्टोन डस्ट:** राजस्थान 21300, हरियाणा 21800, बदरपुर: मोटा 19800, बारीक 19300, **रेत:** बागपत 11600

सूत

(जीएसटी अतिरिक्त): (प्रति किलो): **वेस्ट यार्न:** दो नं. (नॉन-डाइंग) 58, दो नं. (डाइंग) 61, **हैंक यार्न ओपनएंड:** 2/4 नं. 125/130, 2/6 नं. 130/140, 2/10 नं. 160/170, **कोन यार्न ओपनएंड:** 4 नं. 120/130, 6 नं. 125/130, 10 नं. 150/160, 20 नं. 190/200, 2/4 नं. 125/130, 2/6 नं. 130/140, 2/10 नं. 160/170, 2/20 नं. 200/205, **हौचने यार्न कार्डेड** (प्रति किलो): 20 नं. 235/240, 30 नं. 245/255, 34 नं. 260/265, 40 नं. 270/280

कॉटन वेस्ट

हरियाणा (एफओआर): फ्लैट स्वीपिंग 134/135, विलोद ड्रापिंग 89/90, स्वीपिंग 79/80, वेस्ट प्लांट स्वीपिंग 34/35, कोम्बर 154/155

टूक-भाड़ा

(दिल्ली से विभिन्न राज्यों के लिए)

: **उत्तर प्रदेश (प्रति 9-15 टन):** लखनऊ 27000/32000, कापुर 29000/34000, वाराणसी 30500/36500, प्रयागराज 29000/35000, गोरखपुर 34500/37500, गाजियाबाद 12500/16000, मेरठ 14000/16000, खतौली 13500/16000, हापुड़ 13500/14500, आगरा 14000/17000, बरेली 17500/22000, मैनपुरी 21000/26000, बेबर 21000/25000, इटावा 22500/27000, एटा 22500/26500, फरुखाबाद 23000/26000, **उत्तराखंड:** हरिद्वार 18500/21500, देहरादून 19500 /22000, हल्द्वानी 19500/20500, **राजस्थान (प्रति 15 टन):** जयपुर 22000, अजमेर 22000, अलवर 22000, कोटा 22000, ब्यावर 22000, उदयपुर 22000, जोधपुर 22000, **गुजरात:** अहमदाबाद 36000, सूरत 36000, बड़ौदा 36000, राजकोट 36000, जामनगर 36000, कंझा 35500, कांढला 36000, पोरबंदर 36000, भावनगर 36000, जुनागढ़ 36000, वैरावल 36000, भुज 36000, **मध्य प्रदेश (प्रति 15 टन):** ग्वालियर 35000, भोपाल 35000, जबलपुर 35500, रायपुर 35000, बिलासपुर 40000, कटनी 38000, इरारसी 38000, इंदौर 36000, **पंजाब:** अमृतसर 22500, जलपुरा 22500, चंडीगढ़ 22200, जालंधर 22200, लुधियाना 22500, भटिंडा 22200, संगरूर 22200, खन्ना 22200, पटानकोट 22800, महाराष्ट्र: मुम्बई 58000, पुणे 58000, नागपुर 60000, अमरावती 58000, कोल्हापुर 58000, जलगांव 59000, गोवा 62500, **आन्ध्र प्रदेश:** विजयवाड़ा 68500, विशाखापट्नम 68500, हैदराबाद 68000, **कर्नाटक:** बंगलौर 91000।

शनिवार की संभावना

शनिवार, 24 मार्च 2023 : चैत्र शुक्ल पक्ष चौथ तिथि, भारणी नक्षत्र, विष्कुंभ नाम योग, भद्रा घंटा 16 मि. 23 बजे तक रूई,कपास, कॉटन, बारदाना, कपूर, सिल्वर, काजू, मखाना, इसबगोल, सिंभाड़ा, साबूदाना, पोस्ता, चावल, चीनी, दूध पाउडर, धूत, अन्य सफेद जिंस धागुओं में कुछ अस्थिरता। जबकि सोना, कॉपर, गम ग्वार, ग्वार सीड, महुआ, गुड, खांड किशमिश, छुआरा, मुनक्का, रसकस पदार्थ, गेहूँ, जौ, चना, तुअर, उड़द, मूंग, मोठ, हल्दी, जीरा, धनिया, अजवाइन, लाल मिर्च, मजीठ, सुपारी, दालचीनी, जायफल एवं अन्य औषधियों में स्थिरता। पश्चिम दिशा की यात्रा में शुभ लाभ। तुला, धनु मीन के नेष्ट

- आचार्य पंडित दुनदुन शास्त्री

गेहूं में नई फसल का प्रेशर बनने पर ही मंदे के आसार

नई दिल्ली/एनएसएस। सरकार द्वारा जनवरी-फरवरी के लिए खुले बाजार में गेहूं टेंडर द्वारा बेचकर बढ़ती महंगाई पर रोक लगा दिया गया है, लेकिन बेमौसमी बरसात से फसल लेट हो गई है, जिससे बाजार फिर से बढ़ गए हैं। इस वजह से फिर सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं मिलना मुश्किल लग रहा है।

गेहूं की बिजाई यूपी, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार सहित देश के सभी राज्यों में जबरदस्त हुई है, क्योंकि किसानों को बिजाई के समय में गेहूं के ऊंचे भाव दिखाई दिए हैं, लेकिन वर्तमान की बरसात, ओले एवं तेज हवा से पूर्व आपेक्षित अनुमान से गेहूं में कुछ कमी का अंदेशा बन गया है। एमपी, राजस्थान, हरियाणा एवं पंजाब के साथ-साथ पश्चिमी यूपी में कुछ गेहूं खेतों में गिर गया है। अब देखना यह है कि उसमें प्रति हेक्टेयर उत्पादकता कितनी बैठती



है। गौरतलब है कि गेहूं जनवरी के महीने में लॉरेंस रोड पर 3200 रुपए प्रति क्विंटल को पार कर गया था, जो सरकार द्वारा खुले बाजार में बिक्री किए जाने से ही बाजार टूटने लगा था तथा वर्तमान में लुट्टक कर 2500/2510 रुपए प्रति क्विंटल रह गया है। या नीचे में 2300 22350 प्रति क्विंटल भी बन गया था लेकिन सरकार द्वारा टेंडर बंद कर दिए जाने से पुनः 200 रुपए छलांग लगा दिया है। इस बार बुधवार को होने वाले टेंडर नहीं हुए। हालांकि सरकार द्वारा

देश के सभी राज्यों के लिए टेंडर का बेसिक प्राइस 2100/2150 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है, लेकिन आर ओ बनने में सुगमता नहीं होने तथा बीएस-6 ट्रक की अनिवार्यता कर दिए जाने से गेहूं पहुंच में महंगा पड़ने लगा है, इन परिस्थितियों में बाजार दोबारा बढ़ गए हैं। अब मौसम साफ होने पर गेहूं की आवक बढ़ेगी, तभी इसमें मंदा आ सकता है। पीछेती बरसात से फसल 15 अप्रैल के बाद ही आ पाएगी, क्योंकि खेतों में पानी लगा

सौंठ का बाजार अभी और तेज होगा

नई दिल्ली/एनएसएस। सौंठ के भाव अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ऊंचे भाव होने तथा घरेलू उत्पादन कम होने से हाजिर माल की शॉर्टेज बन गई है। यही जिस कारण बाजार लगातार बढ़ते जा रहे हैं तथा गत वर्ष की तुलना में इस बार दोगुने भाव हो गए हैं और अभी यहां से 35/40 रुपए प्रति किलो की और तेजी की संभावना प्रबल हो गई है।

उत्पादक, वितरक व खपत वाली

मंडियों में सौंठ का स्टॉक गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में 46-47 प्रतिशत कम है तथा सस्ते भाव के बिकने वाले नाइजीरिया सहित अन्य देशों के चिप्स माल इस बार बाजार में कम हैं, जिससे बढ़िया माल भी पिसाई में जाने से लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। गत एक सप्ताह के अंतराल 15/20 रुपए प्रति किलो की तेजी आ गई है। गौरतलब है कि इस बार गुवाहाटी, सिलीगुड़ी लाइन के सस्ते उत्पादन में कमी के चलते कम आए हैं, क्योंकि वहां का माल तेज होने के चलते बांग्लादेश एवं भूटान सहित आसपास के नार्थ ईस्ट की मंडियों में ही बिक गए। इधर दक्षिण भारत के सागर-कोचीन



तेजी के दो मुख्य कारण यह है कि नाइजीरिया, सूडान, तुर्की, थाईलैंड से आने वाले चिप्स माल जो सस्ते उतर रहे थे, वहां उत्पादन कम होने से आयात पड़ता 60/65 रुपए प्रति किलो वहां से महंगे पड़ रहे हैं, जिससे पिछले महीने आयातकों ने माल कम मंगाया। यहां जो माल पड़े हैं, उसके भाव भी 200/225 रुपए प्रति किलो बोल रहे हैं। नई फसल आने में अभी 6 महीने का समय बाकी है, इन परिस्थितियों को देखते हुए इसमें 35/40 रुपए प्रति किलो की और तेजी के आसार दिखाई दे रहे हैं। दक्षिण भारत की मंडियों से भी आज माल मंगाने पर 10/15 रुपए का पड़ता ऊंचा लग रहा है।

महुआ फूल- बरसात से बाजार तेज रहेंगे

नई दिल्ली/एनएसएस। पिछले एक सप्ताह के अंतराल महुआ फूल के उत्पादक क्षेत्र में बेमौसमी बरसात होने तथा ओले पड़ने से महुआ फूल के कौंच को भारी नुकसान हुआ है, इसे देखते हुए सकल उत्पादन में कमी आ सकती है, इससे बाजार बढ़ने लगा है एवं 10 रुपए प्रति किलो की और तेजी आ जाएगी।

महुआ का उत्पादन मुख्य रूप से मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, यूपी-बिहार एवं बंगाल में होता है। महुआ के पेड़ों पर कौंच पूरी तरह से लग चुका है, लेकिन बेमौसमी चौतरफा बरसात होने से 30 प्रतिशत पहले के लगे हुए कौंच टूट कर गिर गए हैं तथा महुए फूल की टेपिंग अभी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में शुरू ही हुई थी कि फिर मुड़ते ओले जैसी स्थिति बन गई है। नई फसल की शुरुआत पर ही महुआ फूल के उत्पादन में कमी का अंदेशा बन गया है। यही कारण है कि पुराना महुआ फूल जो शहडोल, जगदलपुर सहित अधिकतर उत्पादक मंडियों में जो 28/29 रुपए प्रति किलो नीचे में



बिक गया था, उसके भाव 32 से 34 रुपए प्रति किलो हो गए हैं। अब महुआ की टेपिंग 10 दिन और लेट हो गई है। पहले के लगे हुए कौंच को भारी नुकसान होने से सकल उत्पादन में कम से कम 30 प्रतिशत की कमी के आसार बन गए हैं। गौरतलब है कि इस बार महुआ के पेड़ों पर कौंच भी 22 -23 प्रतिशत कम लगा था। इस तरह उत्पादन में 48-50 प्रतिशत की सामान्य की अपेक्षा कमी के आसार बन गए हैं। वास्तविकता यह है कि महुआ सीजन में ही

माल की कमी से मूंग में और तेजी के आसार

नई दिल्ली/एनएसएस। यद्यपि आंध्र प्रदेश की नई मूंग आ रही है, लेकिन उसके पड़ते ऊंचे लगने तथा वहां भी ज्यादा माल नहीं होने से राजस्थानी मूंग के भाव बढ़ते जा रहे हैं। मध्य प्रदेश की पुरानी मूंग निबट चुकी है तथा नए माल में वर्तमान की बरसात से विलंब हो जाएगा तथा फसल कुछ खराब हो जाएगी, इन परिस्थितियों में मूंग के भाव आगे और तेज होने की संभावना बन गई है। मूंग की नई फसल आंध्र प्रदेश से आ रही है, जो यहां 8300/8350 रुपए प्रति क्विंटल बिकने की खबर है। वहां भी फसल अनुकूल नहीं है तथा मध्य प्रदेश के पुराने माल काफी निपट चुके हैं। इधर राजस्थान में खादू लाइन के अलावा हल्के माल भी अब कम आ रहे हैं, इन परिस्थितियों में शॉर्टेज की स्थिति बन गई है। यही कारण है कि बढ़िया खादू लाइन की 8500/8600 रुपए प्रति क्विंटल बिक गई, नीचे वाले माल 8000/8200 रुपए बिक रहे हैं तथा धोया के मतलब वाले माल 7700/7900 रुपए के बीच बिक रहे हैं। इसके अलावा प्रांतवार गर्मी वाली 15 अप्रैल से पहले शुरू नहीं होगी, उससे पहले कोई मूंग आने वाली नहीं है तथा मध्यप्रदेश के पुराने माल 7300/7500 रुपए प्रति क्विंटल बिक रहे हैं। राजस्थान के खादू वाले माल जो 8300 रुपए बोल रहे थे, आज 8600 रुपए ऊपर में बिक गया।

तेज होने लगा है, जो डर वाली बात जरूर है, लेकिन उत्पादन एवं खपत को देखते हुए इस बार महुए में अच्छी तेजी के आसार दिखाई दे रहे हैं। गौरतलब है कि महुआ का

स्टाक कोल्ड स्टोर्स में प्रचुर मात्रा में पड़ा हुआ है, जिससे अधिकतर व्यापारी तेजी में नहीं है, लेकिन यह भी ध्यान देने वाली बात है कि खपत वाले उद्योगों में माल बिल्कुल नहीं है तथा नई टेपिंग इस बार एक महीने देर हो गई है, इन सारी परिस्थितियों को देखते हुए 32 रुपए प्रति किलो का महुआ आगे चलकर 8 से 10 रुपए प्रति किलो तेज हो जाएगा। कोल्ड स्टोर में स्ट्राफ को देखकर व्यापार करना नुकसानदायक हो सकता है इस बार गुड के भाव ऊंचे हैं दूसरी ओर कोल्ड स्टोर में भी ज्यादा माल नहीं है, जो हल्का गुण डिस्टीलरी प्लांटों में उपयोग होता था, वह बहुत कम बचा है। दूसरी ओर अन्य उपयोग करने वाले सामान भी बाजार में ऊंचे हैं,इन परिस्थितियों में महुआ का व्यापार लाभदायक रहेगा।

दिसावरी मंडियों के दैनिक भाव

(भाव 23.03.23)

खाना	3450/3500, डीओसी: मूंगफली 36000, किराना : जीरा 25300/25500, धनिया 10000/12000, हल्दी 8000/8800, केसर प्रति ग्राम कश्मीरी 120/135
जीएसटी अतिरिक्त (प्रति किंव.): राइसब्रान (खाद्य)(प्रति प्वाइंट)150, राइसब्रान (अखाद्य) 148, खल सरसों 2490, डीओसी: राइसब्रान बैच सफेद 1450, लाल x, कंटीन्यूअस 1430, सरसों (टन) 21500, सूरजमुखी (टन) 24000, अनाज: गेहूं 2300/2350, आटा (50 किलो)1200, मैदा 1350, चोकर (45 किग्रा) 1050, चोकर (30 किग्रा) 660, मक्की एमपी 2500/2525	कॉटनयार्न (5 किग्रा): हैंकयार्न: 2/4 नं. 615/665, 2/6 नं. 655/725, 2/10 नं. 940/950, 2/20 नं. 1135/1235, कोन यार्न: 2/4 नं. 615/665, 2/6 नं. 655/725, 2/10 नं. 940/950, 2/20 नं. 1140/1240
लुधियाना दाल-दलहन: राजमा चित्रा 9000/12800, अहर दाल 10600/11500, उड़द साबुत 9400/10400, उड़द धोया 10000/11000, छिरका 9500/10500, दाल मसूर 7700/9100, चनादाल 6100/6300, एग्री चौर बैसन (35 किग्रा.)2480, काबली चना 9000/12400, मूंग साबुत 9000/9500, मूंग धोया 9500/10400, चावल: डीबी 8650/8700, सरक्ती स्टीम 6050/6100,चावल 1121 सेला 8575/8600, लालकिला 13700, तेल: बिनीला 9500, चावल तेल 7800, सरसों 11100, खल: सरसों 2625/2650, बिनीला	जौ 2380/2400, आटा (प्रति 44 किलो) 1300/1330, मैदा 1480, देशी घी (एक ली/जर) 530/640, देशी घी (टीन/15 किलो) 8100/9100, वनस्पति घी (टीन) 1650/1760, सोया रिफाईंड (टीन) 2075/2175, चीनी 3850/3900, चीनी-एल 3950/4000, बिनीला 3900/4300
चरखी दादरी जीएसटी अतिरिक्त: सरसों 5250/5300, सरसों खल 2300/2350, सरसों तेल 11000/11100, बिनीला 3350/4200.	जीएसटी अतिरिक्त: सरसों 5250/5300, सरसों खल 2300/2350, सरसों तेल 11000/11100, बिनीला 3350/4200.
ये भाव एनएसएस द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें परिवर्तन संभव है।	

जयपुर मंडी के दैनिक भाव

(भाव 23.03.23)

दाल (जीएसटी अतिरिक्त): मूंग मोगर 8800/8900, मोठ 9000/9100, उड़द मोगर 9700/9900, मोठ 9900/10200, चौला मोगर x, मोठ मोगर 8900/9000, मूंग दाल छिलका देशी 8900/9000, मलका 7500/7700, अहर 9700/10500, मटर दाल 6000/6200, चना दाल मंडियम 5700/5800, बोल्ड 5800/5900, दलहन: उड़द साबुत देशी 7200/7400, मटर सफेद x, मोठ साबुत 6600/6700, काबली चना 8500/11000, चना (डिली.) 5200/5250, मूंग 7400/7500, राजमा शर्मिली 11000/11500, राजमा चित्रा 11000/12500, किराना: हल्दी निजामाबाद 7600/7700, सांगली 8500/9500, हल्दी राजापुरी 13000/15000, लालमिर्च 25000/30000, कालीमिर्च (किलो)	550/650, धनिया 7700/8500, जीरा 31500/37000, अजवायन 15000/29500, सौंफ 20500/25000, मेथी 7000/7100, मेथी मशीन क्लीन 7200/7300, इमली 3400/3600, गोला टिप्पूर 12500/15000, अनाज: चावल डीबी 7400/7500, गेहूं (मिल) 2450/2475, मक्की 2450/2500, बाजरा 2125/2150, जौ x, ग्वार लूज 5300/5350, ज्वार कैटलफ़ीड 2900/3000, तेल-तिलहन: सरसों(मिल पहुंच) 5650/5700, सरसों एक्सपेलर निवाई x, कोल्हू कच्ची घानी टोंक 11000, राइसब्रान डिऑयलड कंटीन्यूअस 1450, डीओसी (टन): सरसों जयपुर 20000, कोटा 20200,अलवर 20000, निवाई 20000.
---	---

सूखा मेवा/मसाले Per Kg.	
(जयपुर)	
काजू प्रेश	700-950
किशमिश	200-280
बादाम	550-650
अंजीर	650-1150
पिस्ता	850-980
मसाले (साबुत) Per Kg.	
भिर्नी	220-250
धनिया	30-190
हल्दी तेलम	73
सांगली	89
राजपुरी	155
कालीमिर्च	550-600
जीरा	220-280
सौंठ	150-190

खाद्य तेलों के भाव	
(जीएसटी सहित)	
टैणोर (टीन)	1840
सरसों (महामोग)	1950
सोना सिक्का	3050
चांदी सिक्का	2850
स्वास्तिक	2830
असोका	2520
बोकनेरी गोल्ड रिफाईंड	2700
श्री बिरला	2850
चंबल	1930
फोरसुन	2000
परंपरा	1860
दीप ज्योति	1850
धारा	1890
देशी घी	
डेयरियों के घी (टीन) 15 Kg.	
कृष्ण	8175
सरस	9100
महान	8445
संप्रति	8475
नोवा	8200
मधुसूदन	8175
अमूल	9400
इंडेवाला नमन	8190

राजस्थान की मण्डियां

23.03.23 4.00 pm

मण्डी/कमोडिटी	आवक (टन में)	मूल्य (रु./ चिंटल) न्यूनतम	अधिकतम
बाजरा			
Jaipur(Bassi)	11	2286	2342
Jodhpur	2.4	2100	2300
जौ			
Jaipur(Bassi)	173	1873	2200
Suratgarh	145.7	1682	1841
गेहूं			
Jaipur(Bassi)	13	1964	2321
Jodhpur	2.2	2200	2400
इसबगोल			
Jodhpur	34.1	13900	18100
कॉटन			
Suratgarh	705	7575	7915
केला			
Jodhpur	3.5	1000	2000
चीकू			
Jalore	0.6	3000	3500
Jodhpur	41	1000	2500
अंगूर			
Jodhpur	147	2000	6000
खरबूजा			
Jalore	2	1200	1500
Jodhpur	12	1000	2000
आम			
Jodhpur	17.5	5000	10000
मौसम्बी			
Jodhpur	20	2000	4000
औरेंज			
Jodhpur	20.5	2000	4000
पपीता			
Jalore	0.8	1500	2000
Jodhpur	78	1000	2000
अनन्नास			
Jodhpur	1	1200	1800
अनार			
Jodhpur	3	2000	8000
तरबूज			
Jodhpur	59.5	800	1200
सरसों			
Jaipur(Bassi)	17	4856	5251
Jodhpur	34.8	4400	4730
Suratgarh	21.3	4687	4927
तारामीरा			
Jaipur(Bassi)	8	4990	5330
चना			
Jaipur(Bassi)	9	4410	4636
मूंग			
Jodhpur	0.5	7500	7800
ग्वार सीड			
Barmer	1	5500	5600
Jaipur(Bassi)	0.6	5037	5120

मण्डी/कमोडिटी	आवक (टन में)	मूल्य (रु. चिंदल) न्यूनतम	अधिकतम
Jodhpur	0.4	5000	5275
धनियां			
Jodhpur	2.3	5000	5700
जीरा			
Jodhpur	226.5	25000	35100
लहसुन			
Jalore	0.3	3000	3500
Jodhpur	79.5	2000	7000
Suratgarh	0.3	6000	8000
भींडी			
Jalore	1.1	3500	4000
करेला			
Jalore	0.34	1500	1800
लोकी			
Jalore	2.8	400	800
पत्तागोभी			
Jalore	1.11	1200	1500
शिमला मिर्च			
Jalore	0.2	3000	3500
फूलगोभी			
Jalore	1.32	1500	2000
खीरा			
Jalore	0.15	1800	2200
अदरक			
Jalore	0.36	3000	3500
हरी मिर्च			
Jalore	1.73	2500	3000
ग्वार			
Jalore	0.24	3500	4000
Suratgarh	6.2	5226	5261
नीबू			
Jalore	0.38	4000	5000
आम			
Jalore	0.2	3500	4000
पोदिना			
Jalore	0.03	2500	3000
प्याज			
Jaipur(Bassi)	1.8	1400	1800
Jalore	9.1	1200	1500
Jodhpur	417	400	1000
Suratgarh	1.6	600	700
हरा मटर			
Jalore	0.21	2000	2500
आलू			
Jaipur(Bassi)	1.7	800	1200
Jodhpur	148	500	700
Suratgarh	1.8	500	700
टमाटर			
Jaipur(Bassi)	1.7	1500	2000
Jalore	7.55	500	800
Suratgarh	1	1200	1600

FREE KOTA COACHING
(JEE/NEET/Olympiads)



NITIN VIJAY (NV Sir)
Founder & CEO

MOTION Presents

LOTTERY 2023

YouTube Ki Kamai Baccho Par Lutai

Lottery Result Date & Time
28th March'23 | 5:00 PM

Only On: Motion - NV Sir YouTube

More Than
140+ Students can get the
Chance to Win Free Kota Coaching & Residential Facility with Lottery 2023

For more details



Watch Video

Reward Name	Total
Free Residential Offline Kota Coaching For Foundation & JEE/NEET	1 Each
Free Offline Kota Coaching For Foundation & JEE/NEET	21 Each
Free Online Kota Coaching For Foundation & JEE/NEET	51 Each

**Foundation i.e. Class 6th to 10th | JEE/NEET i.e. Class 11th to 12th Pass

Apply Now



Last date to apply
27th March'23

मोशन है, तो भरोसा है।
#HarStudentKiCare

NEET / AIIMS

AIR-1 to 10
25 Times

AIR-11 to 50
83 Times

AIR-51 to 100
81 Times

JEE MAIN+ADVANCED

AIR-1 to 10
8 Times

AIR-11 to 50
32 Times

AIR-51 to 100
36 Times

Most Promising RANKS

Produced by MOTION Faculties

Nation's Best SELECTION

Percentage (%) Ratio

Student Qualified in NEET

(2022) 4837/5356 = **90.31%**
(2021) 3276/3411 = **93.12%**

Student Qualified in JEE ADVANCED

(2022) 1756/4818 = **36.45%**
(2021) 1256/2994 = **41.95%**

Student Qualified in JEE MAIN

(2022) 4818/6653 = **72.41%**
(2021) 2994/4087 = **73.25%**

ADMISSION ANNOUNCEMENT Session 2023-24
(Full Time Classroom Program)

Target: JEE/NEET 2025
Nurture Batch
Class 10th to 11th Moving
Starting from : 29th Mar. & 5th Apr. 2023

Target: JEE/NEET 2024
Enthuse Batch
Class 11th to 12th Moving
Starting from : 29th Mar. & 5th Apr. 2023

Target: JEE 2024
Dropper Batch
Class 12th to 13th Moving
Starting from : 29th Mar. & 19th Apr. 2023

Target: NEET 2024
Leader Batch
Class 12th to 13th Moving
Starting from : 29th Mar. & 5th Apr. 2023

Target: Olympiads & Board
Foundation Batch
Class 6th to 10th Students
Starting from : 5th & 19th April 2023

Attention!
Class 8th, 9th, 10th & 11th Students



DHRUV
Residential Coaching Program
School+Coaching+Hostel+Food

❖ Life Skills Development
❖ Integrated Kota Coaching
❖ Affordable Fee Structure
❖ Safe and Positive Environment

Program Fee Starts From
₹ 15000 Per Month



आपकी करोड़ों में
एक लाइली को,
Motion Education दे रहा है,
लाखों की Scholarship

मात्र ~~1,50,000~~
₹ 75,000
प्रतिवर्ष में करें

KOTA CENTER ONLY

जेईई/नीट हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की कामयाबी का
मोशन प्रयास

मात्र ~~1,50,000~~
₹ 75,000 प्रतिवर्ष में करें

Teach Value of Money
with World's 1st
FINANCIAL LITERACY COURSE
for Kids (8 to 18 year)

MyBizKid
For Details
18002704700

Prepare for JEE/NEET From Class 9th/10th

TAPASYA
3 & 4 Year Integrated Program
Mode : Offline & Online (Live)



MOTION OPEN SCHOLARSHIP TEST

*Get instant
SCHOLARSHIP UPTO 100%



1800 212 1799

Corporate Office : 394, Rajeev Gandhi Nagar, Kota (Raj.) | www.motion.ac.in | 7733922000
JEE Campus : "Drona" E-5-II, Road Number 1, Industrial Area, Kota | NEET Campus : "Daksh" 638, Near CAD Circle, Dadabari, Kota

MOTION

Learning Center : Amravati | Ambikapur | Angul | Ankleshwar | Aurangabad | Bareilly | Beed | Betul | Bhilai | Bhubaneswar | Bilaspur | Chandrapur | Chatra | Coimbatore | Dhule | Durgapur | Guwahati | Gwalior | Haridwar | Himmat Nagar | Hisar | Howrah | Hyderabad | Jalgaon | Juhu | Kathua | Kolhapur | Kolkata | Kurnool | Lunawada | Mehsana | Mithapur | Muzaffarpur | Nagpur | Palanpur | Patan | Pattukotai | Pratapgarh | Pulwama | Raebareilly | Raipur | Raigarh | Ranchi | Silvassa | Srinagar | Sundaergarh | Surat | Tirupati | Vadodara | Warangal

CMYK